CATALOGUE 2022

BENTEN

Benten Books Publishing House

सुभाष चंद्र बोस
की आत्मकथा
शिर्डी के साई
मानवता के मसीहा
नौकरी पाने के नियम
ओशो की आवाज़
असफल
आप IAS कैसे बनेंगे भाग-2
इत्मीनान
HOW TO BECOME AN IAS
PART-2
Dr. Vijay Agrawal
जीवन का महामंत्र
सिविल सेवा के परीक्षार्थियों के लिए विशेष
डॉ. विजय अग्रवाल
आज़ादी
कहानी
MASTER YOUR MIND
ब्यूटी टिप्स
क्रोध से छुटकारा
डॉ. विजय अग्रवाल
101
रेसिपी बुक
घर में दावत
आशा अग्रवाल
पॉवर
गौतम मसानिया
प्रशासनिक चिन्तक
डॉ. विजय अग्रवाल
आप IAS कैसे बनेंगे
डॉ. विजय अग्रवाल
स्टूडेंट और मन की शक्ति
सही निर्णय
ओशो कृष्ण
Students and the Understanding of Love
Dr. Vijay Agrawal
ओशो
खुराक
सदा सफल हनुमान
डॉ. विजय अग्रवाल
जीवन के मंत्र
सही हिन्दी सुन्दर हिन्दी
डॉ. विजय अग्रवाल
TIME
डॉ. विजय अग्रवाल
डॉ. प्रीति अग्रवाल

ABOUT BENTEN BOOKS

Benten refers to the Japanese goddess of wisdom. As the name suggests, Benten Books was established with a vision to enlighten people by providing quality literature in Hindi and English languages. The organization aims to provide the society with a fresh outlook and vision and bring out the best in every individual.

The Benten Books Publishing House was established by Mr. Sannidhya Agrawal in the year 2009 with a vision to promote a habit of reading in the country, especially in the Hindi belt. 'Pustak Padho Abhiyaan', also initiated by the Benten Books was an effort towards promoting the 'reading habit' and was very well received by the budding readers and the media.

We, at Benten Books hope to make a positive impact on the lives of our readers through our books and firmly believe that holistic national growth can only be achieved if every individual is allowed to grow from within.

We sincerely hope that our readers benefit from our books and join our noble cause.

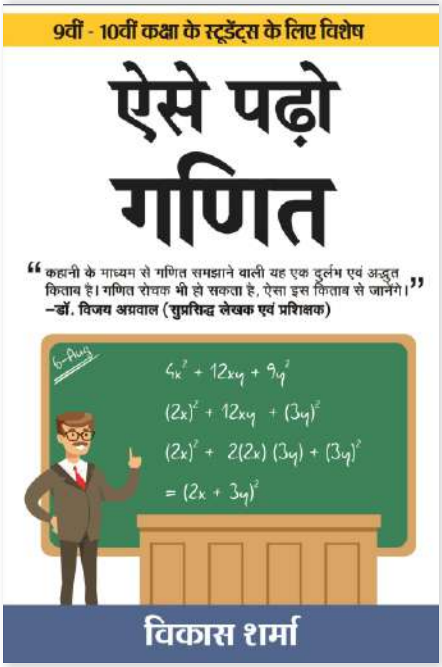

Genre: Self-Help/Maths
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 304 pages
Price: Rs. 250/-
ISBN: 978-93-82419-42-6

ऐसे पढ़ो गणित

- विकास शर्मा

आपको गणित की बहुत सी किताबें मिलेंगी, जिनमें बहुत सारे सवाल होंगे, उनके हल होंगे और फिर अभ्यास के लिए होगी एक लंबी प्रश्नावली। ऐसी किताबें बहुत जरूरी हैं। लेकिन यह किताब जो आपके हाथों में है, गणित पर होते हुए भी ऐसी नहीं है। इसमें कहानी है। इस किताब में सवाल भी हैं, लेकिन कम हैं। जो हैं, उनकी सविस्तार व्याख्या है, चर्चा है और उन सवालों की बारीकियों का ज़िक्र भी है। लेकिन यह किताब पाठ्यपुस्तक भी नहीं है, न ही उसका विकल्प है। बल्कि यह किताब तो उन बच्चों के लिए है, जो अपनी पाठ्यपुस्तक से संवाद नहीं कर पा रहें हैं। यह पुस्तक उन्हें संवाद करने में सहायक हो सकती है। देखा गया है कि गणित की किताबें आमतौर पर केवल बताती हैं, लेकिन इस किताब में एक शिक्षक ने समझाया है। इसमें गणित की दिलचस्प कहानी के माध्यम से बच्चों की गणित के प्रति जिज्ञासाओं को सवाल-जवाब के रूप में शांत करने की कोशिश की गई है। मुख्य रूप से यह किताब नौवीं कक्षा या उससे ऊपर की कक्षाओं के लिए है। लेकिन चूंकि गणित वास्तव में 9वीं कक्षा से ही शुरू होती है, इसलिए आधार 9वीं कक्षा ही रखा गया है। लेकिन यह किताब उन लोगों के लिए भी मददगार हो सकती है, जो अपने बच्चों को पढ़ाना तो चाहते हैं, किन्तु उनकी खुद की पृष्ठभूमि गणित की नहीं है। उम्मीद है कि यह पुस्तक बच्चों और गणित के बीच की दूरी को कम करके बच्चों में गणित के प्रति प्यार जगा दे।

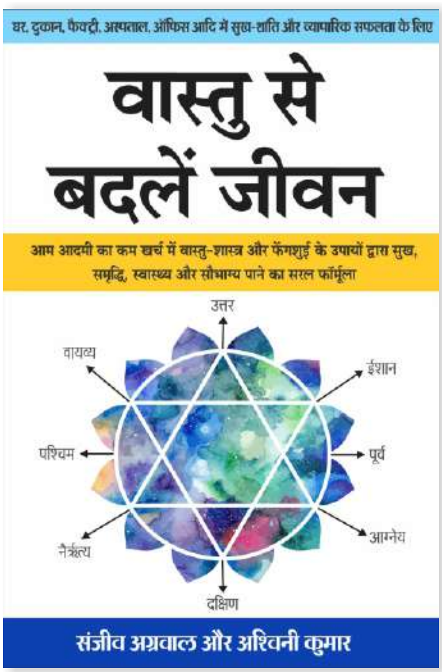

Genre: Self-Help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 144 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-41-9

वास्तु से बदलें जीवन

- संजीव अग्रवाल और अश्विनी कुमार

वास्तु-शास्त्र न तो 'तुक्केबाज़ी' है और न ही 'टोटकेबाज़ी'। यह तो इस भौतिक जगत को संचालित करने वाले नियमों की जानकारी देकर अपने परिवेश को, अपने आसपास के वातावरण को; विशेषकर अपने निवास एवं कार्यस्थल को उन शक्तियों/ऊर्जाओं को अधिकाधिक अनुकूल बनाने का विज्ञान है, जो हमारे सुख, स्वास्थ्य एवं सौभाग्य में अभिवृद्धि करने की क्षमता रखता है। यह पुस्तक इन्हीं ब्रह्मांडकीय सिद्धांतों की जानकारी एकदम सरल एवं व्यावहारिक रूप में आपके सामने रखती है। यदि आप घर अथवा कार्यस्थल का निर्माण करने या खरीदने जा रहे हैं, तो यह पुस्तक आपको बताएगी कि आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। और यदि आप घर अथवा कार्यस्थल बना या खरीद चुके हैं, तो इसकी मदद से यह जान सकते हैं कि वह वास्तु के सिद्धांतों के कितना अनुकूल या प्रतिकूल है। यदि कहीं कोई प्रतिकूलता है, तो उसे दूर करने हेतु सरल एवं 'व्यावहारिक' उपाय भी पुस्तक में सुझाए गए हैं, जिन्हें कोई भी आसानी से समझकर अमल में ला सकता है। भूखंड के चयन तथा नींव डालने के तरीके से लेकर घर/कार्यालय/व्यापारिक प्रतिष्ठान के कोने-कोने की व्यवस्था तथा यहाँ तक कि भीतर एवं बाहर लगाए जाने वाले पेड़-पौधों तक के बारे में सविस्तार बताया गया है। वास्तु-दोषों के निवारण में पशु-पक्षियों, रंगों, यंत्रों एवं पिरामिडों की भूमिका के बारे में आपको कई प्रैक्टिकल बातें पढ़ने को मिलेंगी। चीनी वास्तु-शास्त्र फेंगशुई के ऊपर भी अलग से एक अध्याय दिया गया है। कुल मिलाकर, पुस्तक में कही गई बातें 'हाथ कंगन को आरसी क्या' जैसी हैं- पढ़िए, अमल में लाइए, और स्वयं ही उनकी प्रभावोत्पादकता को महसूस कर लीजिए।

आप IAS कैसे बनेंगे

- डॉ. विजय अग्रवाल

आई.ए.एस. की परीक्षा की तैयारी के बारे में आप अपनी कोई भी समस्या रखिए, यह पुस्तक आपको उसका समाधान सुझाएगी- प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा तथा इन्टरव्यू से लेकर आपके मन तक की समस्याओं के समाधान।

यह किताब आपसे सीधे-सीधे बातचीत करती है, और वह भी बहुत विस्तारपूर्वक सरलता के साथ, इस तरह कि कुछ भी अनसमझा नहीं रह जाता।

परीक्षा की तैयारी संबंधी सैद्धांतिक बातों से इसका कोई लेना-देना नहीं है। यह साफतौर पर उन व्यावहारिक कामों की बात करती है, जिन्हें आप कर सकते हैं, और करके कमाल कर सकते हैं।

सच तो यह है कि यह आई.ए.एस. की तैयारी करने वाले स्वप्नदर्शियों के लिए एक 'चलता-फिरता कोचिंग संस्थान' है, एक हैंडबुक है, और निःसंदेह रूप से एक तरह का 'इनसाइक्लोपीडिया' भी।

Genre: self-help/career
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 368 pages
Price: Rs. 250/-
ISBN: 978-93-84055-00-4

आप IAS कैसे बनेंगे भाग-2

- डॉ. विजय अग्रवाल

यदि मंजिलें हैं, तो हमें विश्वास करना चाहिए कि रास्ते भी होंगे ही। फिर जब रास्ते होते ही हैं, तो मंजिलों तक पहुँचा भी जाता होगा। भले ही सभी राहगीर न पहुँचे, लेकिन कोई न कोई, कुछ न कुछ लोग तो वहाँ पहुँचते भी होंगे। इनमें एक आप भी हो सकते हैं।

जैसा कि अधिकांश लोग सोचते हैं, वस्तुतः मंजिलें कठिन नहीं हुआ करती हैं, रास्ते भी कठिन नहीं होते हैं, वह हम हैं, जो इन्हें कठिन बना देते हैं, दो तरह से। पहला रास्ते को ठीक से न जानकर और दूसरा यह न जानकरकि उस रास्ते पर चलना कैसे चाहिए।

डॉ. विजय अग्रवाल की बेस्ट सेलिंग बुक 'आप आई.ए.एस. कैसे बनेंगे' के बाद उसी क्रम की यह अगली पुस्तक है। इसका भाग-एक जहाँ आपको आई.ए.एस. की मंजिल तक पहुँचने का रास्ता दिखाती है, वहीं यह पुस्तक भाग-दो आपकी उंगली पकड़कर आपको कदम-दर-कदम बताती है कि आपको चलना कैसे चाहिए। इस प्रकार यह पुस्तक आपकी मंजिल को आसान बनाती है।

इसमें आपको क्या-क्या मिलेगा, बेहतर होगा कि आप मिनट लगाकर इसके विषय-क्रम पर एक निगाह मार लें। पक्का है कि आपको इससे प्यार हो जायेगा।

Genre: Self-Help/Career
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 325 pages
Price: Rs. 250/-
ISBN: 978-93-84055-05-9

आज़ादी की कहानी

- डॉ. विजय अग्रवाल

इतिहास डॉ. विजय अग्रवाल का इतना अधिक प्रिय विषय रहा है कि उन्होंने आई.एस.एस की प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा में भी इसे रखा। पिछले तीस सालों से वे सिविल सेवा के परीक्षार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। इन दोनों के सामंजस्य ने इस विषय के प्रति उन्हें जो गहरी अन्तर्दृष्टि दी है, उसी का नतीजा है यह पुस्तक ''आजादी की कहानी।''

इस पुस्तक की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह आपको अपनी ढेर सारी सामग्री से आतंकित करने के बजाए मात्र सवा सौ पृष्ठों में आज़ादी के व्यापक परिदृश्य को समझने में मदद करेगी और वह सब कुछ बता देगी, जो आपको जानना चाहिए। इस लिहाज से यह कमाल की किताब है, और अपनी तरह की अनोखी भी, बावजूद इसके कि इस विषय पर किताबों की कोई कमी नहीं है।

Genre: History/Career
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 113 pages
Price: Rs. 115/-
ISBN: 978-93-84055-02-8

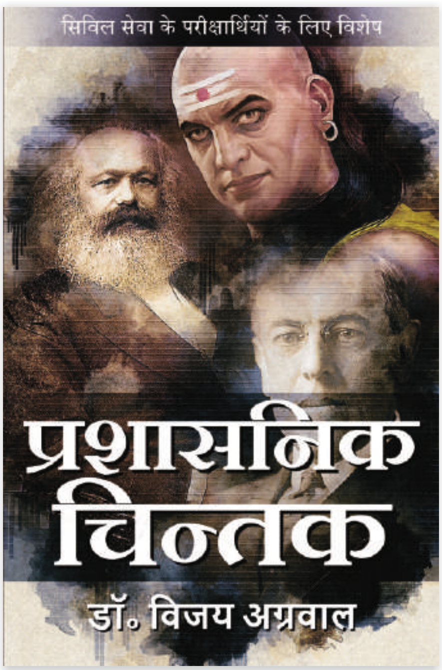

प्रशासनिक चिंतक

- डॉ. विजय अग्रवाले

डॉ. विजय अग्रवाल द्वारा लिखी गई इस पुस्तक 'प्रशासनिक चिन्तक' की दो अपनी विशेषताएँ हैं-

पहली यह कि यह मूल हिन्दी में ही लिखी गई है। इसमें आपको अनुवाद के कारण पैदा हुई कठिनाई से गुजरना नहीं पड़ेगा।

दूसरी यह कि यह पुस्तक सिद्धान्त, समझदारी और अनुभव को मिलाकर लिखी गई है।

इसके कारण आप इस पुस्तक में एक अलग ही तरह की सहजता, सरलता और रोचकता पायेंगे। यह प्रशासनिक चिन्तकों के बारे में आपके दिमाग में समझ की एक ऐसी पुख्ता नींव तैयार कर देगी कि इनको लेकर होने वाले उलझाव और अस्पष्टता से आपको हमेशा-हमेशा के लिए मुक्ति मिल जायेगी। साथ ही यह आपके अन्दर एक ऐसी अन्तर्दृष्टि भी पैदा करेगी कि आप अपने स्तर पर कुछ नया सोच सकें।

इस पुस्तक को पढ़ने के बाद आप स्वयं को इस स्थिति में पायेंगे कि आपके विश्लेषण करने की क्षमता में कई गुना वृद्धि हो गई है। आप स्वयं को सामाजिक-विज्ञानी दृष्टि से सम्पन्न एक बौद्धिक युवा के रूप में पायेंगे। और ऐसा हो जाना कम बड़ी बात नहीं होगी।

Genre: self-help/career
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 300 pages
Price: Rs. 275/-
ISBN: 978-93-84055-04-2

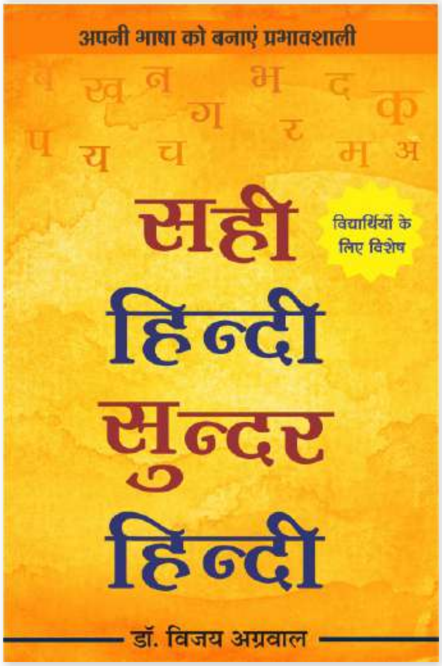

सही हिन्दी सुन्दर हिंदी

- डॉ. विजय अग्रवाल

- यदि आप चाहते हैं कि आपकी हिन्दी
सही हो, और
सुन्दर भी हो
तो निश्चित रूप से यह किताब आपके लिए ही है।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको
परीक्षा में अच्छे मार्क्स मिलें, और
इन्टरव्यू में भी सफलता प्राप्त हो,
तो निश्चित रूप से यह किताब आपको पढ़नी ही चाहिए।

वस्तुतः यह पुस्तक एक डायरेक्टरी की तरह है, एक डिक्शनरी की तरह है, जिसे आपकी स्टडी टेबल पर होनी ही चाहिए। यह आपसे बातचीत करती है, और मजेदार बात यह है कि इससे बातचीत करने का कोई टाइम फिक्स नहीं है।

Genre: Language/Career
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 234 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-84055-01-1

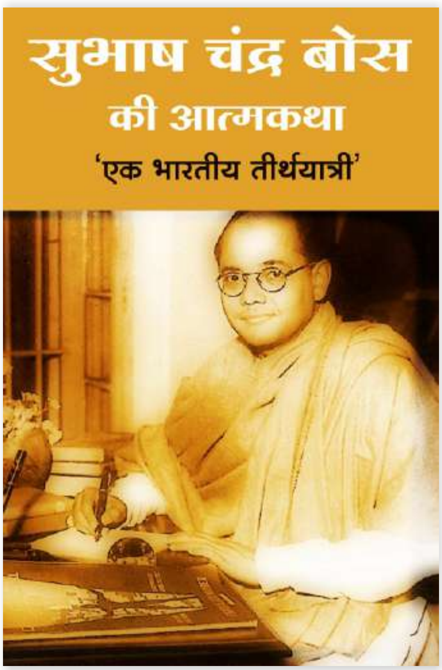

सुभाष चन्द्र बोस की आत्मकथा

"एक भारतीय तीर्थयात्री"

कहने को भले ही सुभाष चन्द्र बोस की यह आत्मकथा उनके प्रारंभिक चौबीस वर्षों की कथा है, किंतु यदि आपकी दिलचस्पी नींव के पत्थर को देखने की हो, तो आपके लिये यह पुस्तक पर्याप्त है। इन दस अध्यायों में एक शर्मीले, संकोची तथा हीन-भावना से ग्रस्त बालक के महानायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस बनने की पूरी यात्रा का कदम-दर-कदम वृत्तांत दर्ज है।

इसके माध्यम से आप जान पाएंगे कि जीनियस हमेशा पैदा ही नहीं होते, बल्कि दृढ़-संकल्प से बन भी सकते हैं।

आप जानेंगे कि साहसी वह नहीं होता, जिसके मन में भय न हो, बल्कि वह होता है, जो अपने भयों को लगातार जीतता चलता है।

आप देखेंगे कि बड़े निर्णय लेना किसी के लिये भी आसान नहीं होता, किंतु आसान काम करके कोई बड़ा भी नहीं बनता।

संक्षेप में कहें तो इस पुस्तक के माध्यम से आप उस इस्पात को एक मजबूत मूर्ति में ढलता हुआ देख पाएंगे, जिसने सुभाष को सुभाष बनाया।

सुभाष चन्द्र बोस स्वामी विवेकानन्द के तार्किक दर्शन से प्रभावित थे। इसीलिए उनकी इस लेखनी में-

- आपको मानव मन के द्वंदों, भयों एवं जटिलताओं की सच्ची, गहरी और वैज्ञानिक जांच-पड़ताल मिलेगी।
- आप तत्कालिन भारतीय समाज की राजनीतिक, यहाँ तक कि पूरी दुनिया की तस्वीर देख सकेंगे।
- आप सुभाष के धर्म एवं अध्यात्म संबंधी विचारों को जान पाएंगे।

और आप यह सब जानेंगे उनकी अपनी ही कलम से।

Genre: Auto-biography
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 192 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-82419-23-5

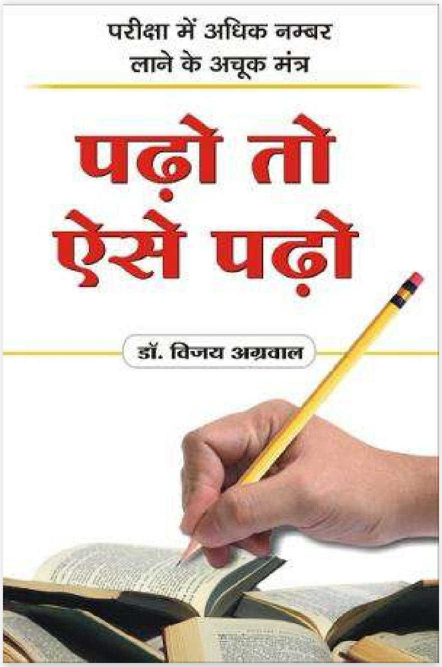

पढ़ो तो ऐसे पढ़ो

- डॉ. विजय अग्रवाल

सच्ची खुशी के लिये हर एक व्यक्ति को स्वयं की क्षमताओं का ज्ञान होना ज़रूरी है। मनुष्य का मस्तिष्क असीमित संभावनाओं से भरा है। ये संभावनाएँ तभी वास्तविकता में खोजी जा सकती हैं, जब हम पारम्परिक सोच से ऊपर उठकर मस्तिष्क की सोयी हुई क्षमता को पा लें। यह पुस्तक हमें एक नई दिशा देती है कि कैसे पढ़ा जाए। यह विभिन्न तकनीकों के द्वारा पाठक के मस्तिष्क को उत्तेजित कर देती है और बुद्धि की कार्यप्रणाली को समझने में मदद करती है। इस पुस्तक में सही कहा गया है – ''कोई भी इसे कर सकता है।'' यह अद्‌भुत पुस्तक उन छात्रों के लिये है, जो अपनी सीमाओं को लाँघकर आगे निकल जाना चाहते हैं।

''ऐसे किसी भी स्टूडेन्ट के लिए अद्‌भुत किताबें, जो किसी भी परीक्षा में अच्छे नम्बर लाना चाहता है।'' **– अनिकेत पाटनी, आई.आई.टी., कानपुर**

Genre: self-help
Language: Hindi version of 'The Art of Study'
Binding: Paperback
No. of pages: 208 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-81-907025-5-3

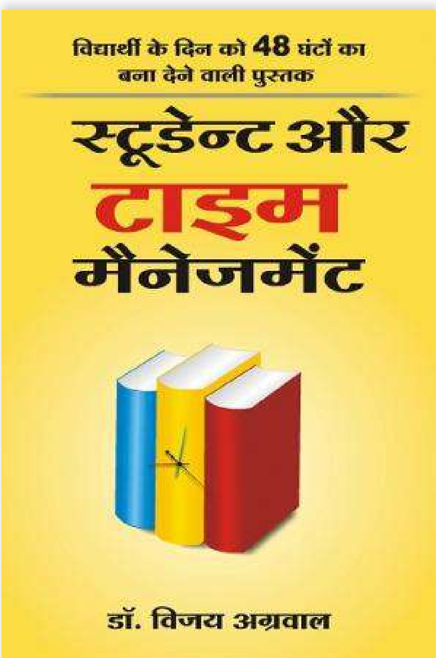

स्टूडेन्ट और टाइम मैनेजमेंट

- डॉ. विजय अग्रवाल

समय एक ऐसा अमूल्य साधन है, जिसकी हम सभी के पास कमी है। अगर इसका सही प्रबंधन कर लिया जाये, तो यह हमें बँधनों से मुक्त करके ऊपर की ओर उठाएगा। यह हमारे लिए चमत्कार कर सकता है।

यह किताब हमें मन पर नियंत्रण के द्वारा, विभिन्न टेक्नीक्स के द्वारा और अनेक उदाहरणों के ज़रिए समय-प्रबंधन का व्यावहारिक ज्ञान देती है। यदि हम इन्हें एक बार प्रयोग में ले आयें,तो स्वयं के अंदर अपने आप ही विकास की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

''ये पुस्तकें विचारों को माँजती हैं, दृष्टि को स्पष्ट करती हैं। साथ ही ये स्टूडेन्ट की दक्षता को बढ़ाकर हर तरह की परीक्षा में अधिक नम्बर दिलाकर उसे आश्चर्यजनक रूप से सफल बनाती हैं।'' **– हर्ष अग्रवाल**
97.8% कॉमर्स, सी.बी.एस.ई., लन्दन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स

Genre: Self-Help
Language: Hindi version of 'Time management for Students'
Binding: Paperback
No. of pages: 184 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-81-907025-4-6

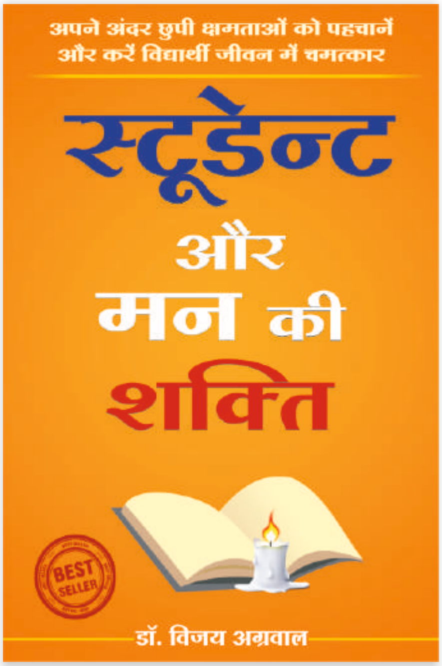

स्टूडेन्ट और मन की शक्ति

- डॉ. विजय अग्रवाल

हम कैसे अपनी कमजोरियों को ताकत बनाएँ? हम कैसे अपनी बाधाओं और मुश्किलों को अपनी सबसे शक्तिशाली जायदाद में बदलें? यह सब हो सकता है अपनी विचार-प्रक्रिया पर अच्छा-खासा नियंत्रण करके, अपने मन पर नियंत्रण करके।

हम सब जानते हैं कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (इमोशनल इन्टेलिजेन्स) की मात्रा हम सभी के जीवन की सफलता को निर्धारित करती है। यह पुस्तक हमें स्वयं को समझने के बारे में विस्तार से बताती है। साथ ही हमें उन तरीकों के बारे में भी बताती है कि कैसे हम अपनी कमजोरियों और कमियों को दूर कर सकते हैं। हमारे अवचेतन मन की कोई सीमा नहीं होती है। अपने इस अवचेतन मन की शक्ति को समझने के बाद उसका उपयोग करके हम अपने जीवन में सफलता और आनन्द प्राप्त कर सकते हैं। यह एक ऐसी पुस्तक है, जो आपको अपने मन की जाँच-परख करने तथा आपकी सीमाओं को फैलाने के उपाय भी बताती है। ऐसा करके यह आपको अनन्त ऊँचाइयों तक पहुँचने लायक बनाती है।

''ये तीनों किताबें उन विद्यार्थियों की नींव को मजबूत करती हैं, जो सफल और आनन्दपूर्ण कैरियर बनाना चाहते हैं। ये सभी किताबें एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इनमें जो टेक्नीक बताई गई हैं, उन्हें पढ़ और समझकर अपने जीवन के हर क्षेत्र में सफल होने की गारंटी ली जा सकती है।'' **– अरूप रॉय चौधरी**
पी-एच.डी. मैथेमैटिक्स, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू जर्सी, अमेरिका

Genre: Self-Help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 174 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-81-907025-9-1

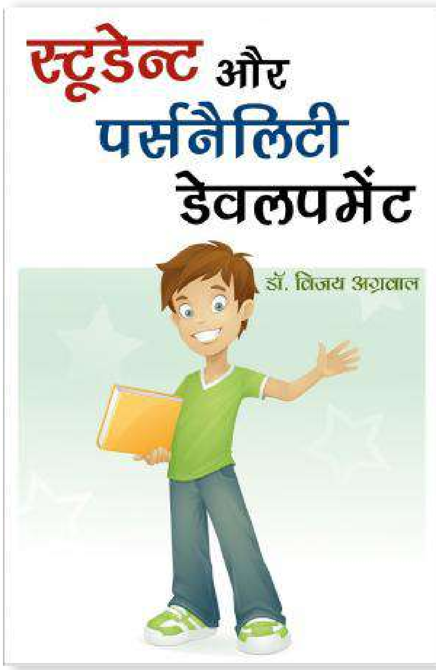

स्टूडेन्ट और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट

- डॉ. विजय अग्रवाल

आज के दौर में जिंदगी का कॉम्पटीशन केवल पढ़ाई के दम पर नहीं जीता जा सकता। जिंदगी में आगे निकलने के लिए कुछ अलग और ख़ास बनने की ज़रूरत होती है। और यह झलकता है आपकी पर्सनैलिटी से, जो भीड़ में होते हुए भी आपको भीड़ से अलग बना देती है।

'पढ़ो तो ऐसे पढ़ो', 'स्टूडेंट और टाइम मैनेजमेंट', 'स्टूडेंट और मन की शक्ति'; इन तीनों पुस्तकों की आपार सफलता और लोकप्रियता के बाद लेखक डॉ. विजय अग्रवाल ने इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए नयी किताब 'स्टूडेंट और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट' लिखी है। इसमें स्टूडेंट से जुड़ी हुई उन बातों को बताया गया है, जो एक विद्यार्थी के प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए जरूरी हैं। स्टूडेंट्स को इस पुस्तक में बॉडी लैंग्वेज, कम्युनिकेशन स्किल्स, मैनर्स और ड्रेसिंग आदि के बारे में भी जानने को मिलेगा।

यह किताब एक साधारण स्टूडेंट और असाधारण स्टूडेंट के बीच के फासले को खत्म कर देगी। यह किताब उन विद्यार्थियों के लिए लिखी गई है, जो जीवन और कॅरियर की दौड़ में सबसे आगे रहने की चाहत रखते हैं।

Genre: Self-Help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 184 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-93-80496-15-3

स्टूडेन्ट और शिष्टाचार

- गौतम मसानिया

Genre: Personality Development
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 184 pages
Price: Rs. 135/-
ISBN: 978-93-82419-29-7

ज्ञान बड़ा होता है या तहज़ीब? जवाब है तहज़ीब। जब भी हम किसी से मिलते हैं, तो उससे मिलने का मतलब होता है उसके तहज़ीब से मिलना और वह हमारे दिमाग में इसी रूप में दर्ज रहता है, अपने तहज़ीब के रूप में, अपने शिष्टाचार के रूप में।

इसे कोई भी सीख सकता है, यहाँ तक कि वह भी, जिसे ह तक नहीं मालूम कि शिष्टाचार होता क्या है? यही इसकी खूबी है। शिष्टाचार के जरिए आप सामने वाले को न केवल इम्प्रेस ही करते हैं, बल्कि उसके दिल और दिमाग में उतरकर उसे जीत भी लेते हैं।

शिष्टाचार व्यावहारिक जीवन की वह सर्वोत्तम जादुई मशाल है, जो सभी के हाथों में होनी ही चाहिए। यह पुस्तक इसी मशाल का काम करती है।

यह किताब आपको निजी से लेकर परिवार और समाज तक के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े सभी तरह के शिष्टाचारों के बारे में बताती है कि आपको कब-कब, कहाँ-कहाँ, क्या-क्या करना चाहिए। और यह भी बताती है कि क्या-क्या नहीं करना चाहिए।

यह एक बहुत ही ज़रूरी किताब है, खासकर विद्यार्थियों और युवाओं के लिए।

स्टूडेन्ट और प्रेम की समझ

- डॉ. विजय अग्रवाल

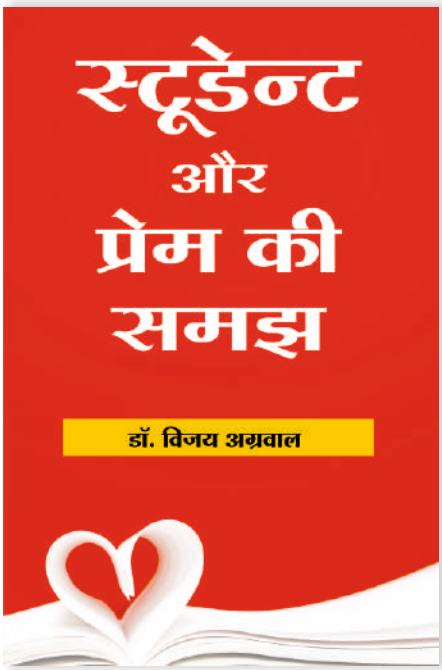

किसी भी तरह की 'समझ' आते ही जिंदगी में दो चमत्कार तुरंत हो जाते हैं-

पहला चमत्कार कि समस्या समस्या नहीं रह जाती।

दूसरा चमत्कार यह कि यही समस्या शक्ति बन जाती है।

जैसे ही आपमें 'प्रेम की समझ' पैदा होगी, आप पहली बार सच्चे प्रेम को महसूस करके सच्ची उड़ान भर सकेंगे। यह पुस्तक इसी उड़ान में आपकी मदद करेगी।

प्रेम के लगभग सभी रंगों एवं गहराई को पूरी खूबसूरती एवं रोचकता के साथ समेटे हुए गज़ब की किताब है यह। पढऩे के लिए 'वक्त नहीं है' का बहाना बिल्कुल भी न बनाएं।

यह पुस्तक खासतौर पर स्टूडेन्ट्स एवं युवाओं के लिए लिखी गई है।

Genre: self-help/motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 176 pages
Price: Rs. 135/-
ISBN: 978-93-82419-26-6

Genre: self-help/motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 384 pages
Price: Rs. 250/-
ISBN: 978-93-82419-34-1

इत्मीनान बड़ी चीज़ है

- कार्ल ऑनरे

“हरदम जल्दी में रहने वाले उन लोगों के लिए एक अच्छी और सच्ची मार्गदर्शिका, जो अब घर, दफ्तर तथा जीवन के अन्य आयामों में थोड़ा इत्मीनान बरते जा सकने की संभावनाएँ तलाश रहे हैं।”

-इकॉनॉमिस्ट

“यह किताब ऐसे ढेरों तरीके बताती है जिनकी मदद से हम खुद को आज़ाद करा सकते हैं... उस बोझ से जिसे बॉडलेअर ने ‘समय का बोझ’ कहा है। यह हमें उस भ्रम से मुक्ति दिलाती है जिसमें पड़कर हम यह मानने लगे हैं कि इस बोझ से मुक्त होने का कोई उपाय नहीं है, कि हम इसे ढोए जाने के लिए अभिशप्त हैं।”

- वॉशिंगटन पोस्ट

“लेखक ने हमें वैश्विक स्तर पर हो रहे उन प्रयासों के बारे में बताया है जो आम आदमी के अवचेतन में बैठा दिए गए इस भ्रम को झुठलाने में लगे हैं कि आज के समय में रफ्तार ही कामयाबी का एकमात्र उपाय है। बहुत ही रोचक और प्रभावोत्पादक।”

-क्रिश्चियन साइंस महनिटर, जिसने कि ‘इन प्रेज़ ऑफ स्लोनेस’ को वर्ष 2004 की सर्वश्रेष्ठ किताब घोषित किया था नहन-फिक्शन कैटेगरी में।

“आँखें खोल देने वाली किताब है ‘इन प्रेज़ ऑफ स्लोनेस’।”

-बिज़नेस वर्ल्ड

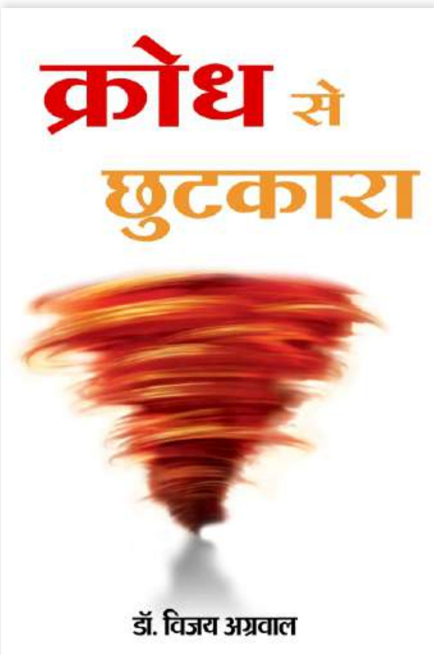

Genre: self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 144 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-37-2

क्रोध से छुटकारा

- डॉ. विजय अग्रवाल

ऐसा कोई भी नहीं होगा, जिसके पास क्रोध न हो। ऐसा भी कोई नहीं होगा, जो इसके होने से परेशान न हो। तो ऐसे में हम करें तो क्या करें?

फिलहाल इसका एक उपाय यह हो सकता है कि आप इस पुस्तक को पढ़ें।

पहले तो यह पुस्तक आपके लिए आपका आइना बनकर आपको आपके क्रोध के कारणों से परिचित कराएगी।

फिर यह पुस्तक आपके लिए एक टॉर्च बनकर आपका मार्ग-दर्शन करेगी कि आपको किन रास्तों पर कैसे-कैसे चलकर उस मंजिल तक पहुँचना है, जिस मंजिल का नाम है- “क्रोध से छुटकारा।”

बस, इसी से सब कुछ बदल जाएगा। अभी तक आप जिसके काबू में थे, अब यह आपके काबू में आ जाएगा।

ओशो की आवाज

इस पुस्तक में प्रेम, भोग, ईश्वर, सांसारिकता, ध्यान, शान्ति, चिंता, अहंकार, प्रार्थना तथा मृत्यु जैसे अनेक विषयों पर ओशो के विचारों का निचोड़ मौजूद है। यदि आप यह निचोड़ पाना चाहते हैं, तो निःसंदेह रूप से यह किताब आपके लिए है।

साथ ही यह किताब आपको ओशो के कहने के ढंग का स्वाद भी प्रदान करेगी। पढ़ते समय आपको लगेगा कि आप ओशो की ही आवाज़ सुन रहे हैं।

इस पुस्तक में गूंजने वाली ओशो की आवाज़ आपके गहरे उतरकर आपके अन्दर एक ऐसी उठा-पटक मचाएगी कि उससे उभरेगा आपका अपना एक नया 'मैं'।

इस किताब में यह ताकत है कि यह आपके अब तक के विचारों को दुरुस्त करके आपको वह स्पष्ट और ठोस दृष्टि प्रदान करेगी, जिससे आप अपनी जिन्दगी की नई राहें और नये दृश्य देख सकेंगे।

यदि आप यह मानते हैं कि कोई भी व्यक्ति अपने विचारों को बदलकर अपनी जिन्दगी को बदल सकता है, और अपनी समस्याओं से उबर सकता है, तो 'ओशो की आवाज़' इसमें आपकी मददगार साबित होगी।

Genre: self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 176 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-16-7

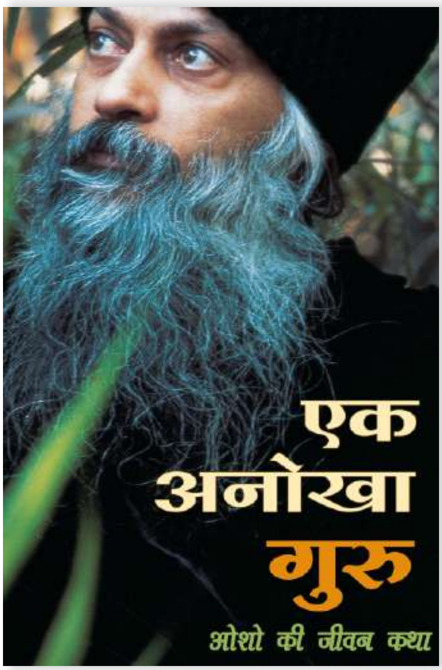

एक अनोखा गुरु

यह जीवन कथा है एक ऐसे अनोखे गुरु की-

- जिसने खुद फैसला किया कि मेरे माता-पिता कौन होंगे।
- जिसने बचपन में वह सब किया, जो कोई भी दुस्साहसी, बदत्तमीज और आवारा लड़का कर सकता है, और उसके बावजूद जिसने केवल इक्कीस साल की उम्र में वह पा लिया, जो गौतम बुद्ध ने पैंतीस साल की उम्र में पाया था।
- जिसने अपने शिष्यों को नियमों से बंधने की बजाय नियमों से मुक्त होने का संदेश दिया।

एक ऐसा जीवन, जो रहस्य और रोमांच से भरा हुआ है, जिसने आध्यात्मिकता की ऊँचाई को छुआ और उसे आज के संदर्भ में हम सबके लिए नए ढंग से परिभाषित किया।

"रजनीश के शब्दों में-
एक दिन ध्यान में कब कितना लीन हो गया, मुझे पता ही नहीं और कब शरीर वृक्ष से गिर गया, वह मुझे पता नहीं। जब नीचे गिर पड़ा शरीर, तब मैंने चौंककर देखा कि यह क्या हो गया। मैं तो वृक्ष पर ही था और शरीर नीचे गिर गया। कैसा हुआ अनुभव, कहना बहुत मुश्किल था। मैं तो वृक्ष पर ही बैठा था और मुझे दिखाई पड़ रहा था कि शरीर नीचे गिर गया है। सिर्फ एक रजत-रज्जु नाभि से मुझ तक जुड़ी हुई थी, एक अत्यन्त चमकदार शुभ्र रेखा। कुछ भी समझ से बाहर था कि अब क्या होगा? कैसे वापस लौटूंगा?

Genre: biography
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 184 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-15-0

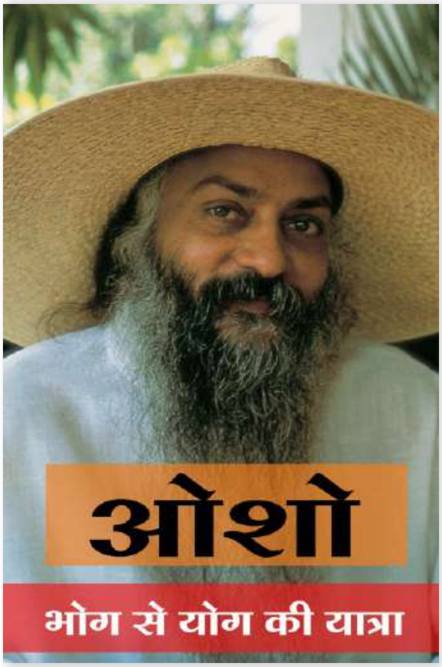

Genre: Life/Philosophy
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 192 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-36-5

ओशो भोग से योग की यात्रा

'जोरबा द बुद्धा' यानी कि भौतिकता के माध्यम से आध्यात्मिकता के शिखर पर पहुँचना। यह ओशो के विचारों के केन्द्र में रहा है। तभी तो ओशो भोग से समाधि तक पहुँचने की बात कहते हैं, और डंके की चोट पर पूरे साहस तथा अकाट्य तर्कों के साथ कहते हैं।

इस पुस्तक में ओशो के भोग से समाधि तक की यात्रा के मुख्य चार पड़ावों संबंधी बुनियादी विचारों को प्रस्तुत किया गया है। ये चार पड़ाव हैं-

- नारी
- प्रेम
- काम, एवं
- समाधि।

यानी कि यहाँ आप जीवन को सम्पूर्णता के साथ जीने संबंधी ओशो के खूबसूरत, रोचक और दिमाग की बंद खिड़कियों को धक्का देकर उन्हें खोल देने संबंधी नये-नये विचारों को जान सकेंगे।

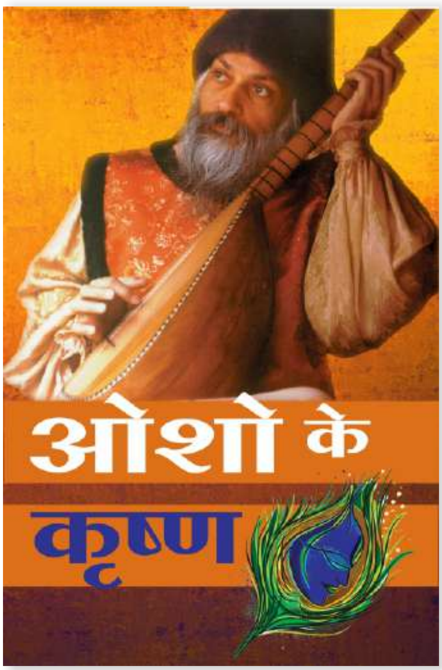

Genre: Life/Philosophy
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 192 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-35-8

ओशो के कृष्ण

कृष्ण के बारे में आप बहुत कुछ जानते होंगे। बावजूद इसके अभी बहुत कुछ ऐसा शेष है, जो आपको जानना चाहिए। यदि ऐसा है, तो निश्चित तौर पर आपके लिए ओशो से बेहतर विचारक शायद ही कोई दूसरा हो।

कृष्ण ओशो के सबसे प्रिय रहे हैं। इसलिए उन्होंने कृष्ण पर खूब बोला और जमकर बोला। इस पुस्तक में आपको कृष्ण के व्यक्तित्व, कार्य और विचारों को विभिन्न कोणों से जानने को मिलेगा।

आप कृष्ण के जीवन के विभिन्न रंगों की छटाओं का आनंद ले सकें ।

सच तो यह कि कृष्ण को सही-सही जान भी सकेंगे। यह जानना अद्भुत होगा- ज्ञान की दृष्टि से और जीवन की दृष्टि से भी।

Genre: self-help/motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 224 pages
Price: Rs. 250/-
ISBN: 978-93-82419-31-0

सदा सफल हनुमान

- डॉ. विजय अग्रवाल

हनुमानजी से सीखें सफलता और मैनेजमेंट के सूत्र।

विश्व में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जो किसी न किसी कार्य में, कभी न कभी असफल न हुआ हो। कुछ लोग इसलिए अधिक सफल होते हैं, क्योंकि वे अपनी प्रत्येक असफलता के कारणों की खोज करते हैं और अगली बार प्रयत्न करते समय सावधान रहते हैं। कुछ लोग दूसरों की सफलता-विफलता का लेखा-जोखा रखते हैं और स्वयं प्रयत्न करने के पूर्व ही अपनी सफलता के पथ का मानचित्र तैयार कर लेते हैं।

किंतु भारत के विशाल प्राचीन साहित्य में एक ऐसा अद्भुत चरित्र भी है, जो कभी असफल नहीं हुआ-वे हैं हनुमानजी। उन्हें नया से नया और कठिन से कठिन कार्य दिया गया और हर बार वे सफल सिद्ध हुए। सफलता भी ऐसी कि उन्हें घर-घर में संकटमोचक देवता के रूप में पूजा जाने लगा।

प्रस्तुत पुस्तक हनुमानजी के जीवन-चरित्र के माध्यम से उन गुणों, भावों, विचारों, व्यवहारों और जीवन-मुल्यों की खोज करती है, जिनके होने से हनुमानजी अपने ऊपर आए हर दायित्व, हर कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करते चले गए।

रामायण, महाभारत अथवा ग्रीक त्रासदियों के नायक-प्रतिनायकों के जीवन-वृत्त का विश्लेषण करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं कि व्यक्ति की सफलता या विफलता के कारण वस्तुतः उनके अपने व्यक्तित्व में ही सन्निहित होते हैं। 'सदा सफल हनुमान' आपको सफलता के उस महान राजपथ पर अग्रसर करने का प्रयास है, जिस पर चलकर आप अपनी सफलता सुनिश्चित कर सकें।

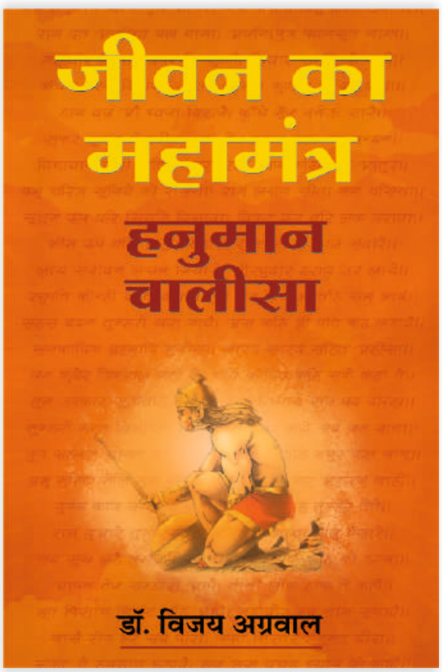

Genre: self-help/motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 240 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-32-7

जीवन का महामंत्र हनुमान चालीसा

- डॉ. विजय अग्रवाल

यह 'हनुमान चालीसा' की एक ऐसी सरल, व्यावहारिक किन्तु सारगर्भित व्याख्या है, जो मन को गदगद कर देती है।

जीवन की सफलता के और अध्यात्म के कितने सुन्दर सूत्र 'हनुमान चालीसा' में छिपे हुए हैं, इस पुस्तक को पढ़कर ही जाना जा सकता है।

हनुमान जी पर लिखी डॉ. विजय अग्रवाल की अत्यंत लोकप्रिय पुस्तक 'सदा सफल हनुमान' के बाद उन्हीं पर लिखी यह दूसरी पुस्तक पाठकों का जीवन के विराट कैनवास से साक्षात्कार कराती है।

"सरल ही श्रेष्ठ होता है" यह 'हनुमान चालीसा' ने तो सिद्ध किया ही है, इस पुस्तक ने भी किया है। एक पुस्तक, जिसे एक बार हर कोई पढ़ना चाहेगा।

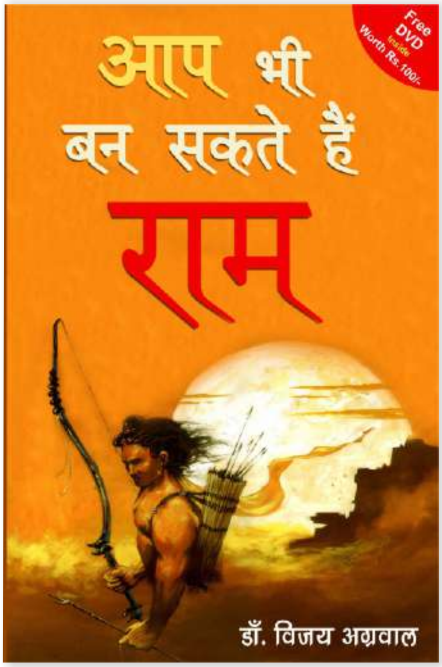

आप भी बन सकते हैं राम

- डॉ. विजय अग्रवाल

दरअसल, यह किताब राम के ज़रीए उस जादुई तत्त्व की तलाश करती है, जिसके मिलते ही कोई भी राम बन जाता है। जी हाँ, आप भी।

विश्लेषण एकदम नया है, चामत्कारिक और रोमांचकारी भी। राम के चरित्र के इतने नये आयाम आपको इसमें पहली बार देखने को मिलेंगे।

राम क्या थे? इस सवाल के जवाब में प्रश्न यह है कि वे क्या नहीं थे- एक आदर्श पुत्र, पति, भाई, शासक, देव, दोस्त, सहायक तथा और भी न जाने क्या-क्या? जाहिर है कि राम के चरित्र का यह आदर्श रूप भला किसको सम्मोहित नहीं करेगा! यदि आपके साथ भी ऐसा है, और आप भी उनके जैसा ही कुछ होना चाहते हैं, तो निश्चित तौर पर यह किताब आपकी मदद करेगी।

Genre: self-help
Language: Hindi/Spirituality
Binding: Paperback
No. of pages: 227 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-93-80496-19-1

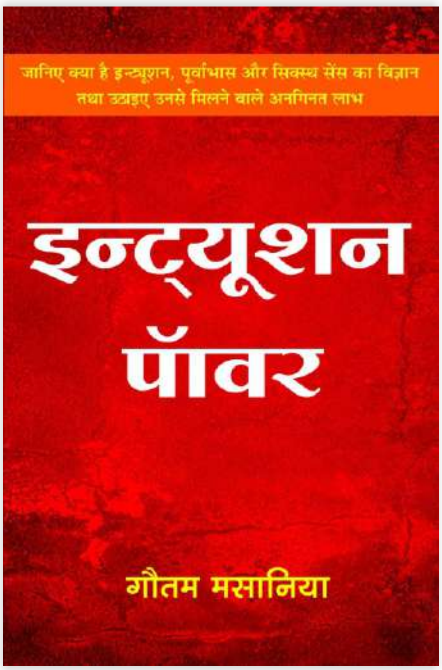

इन्ट्यूशन पॉवर

- गौतम मसानिया

इसी धरती पर जन्मे, पले और बड़े हुए अनेक लोगों ने अपने कार्यों के द्वारा जीवन के इस रहस्य को सत्य सिद्ध किया है कि मनुष्य अनन्त और विलक्षण क्षमताओं का स्वामी है। प्रकृति ने इन क्षमताओं को देने के मामले में किसी के साथ किसी तरह का भेदभाव नहीं किया है। पर हम में से ज़्यादातर लोग अपनी इन क्षमताओं के बारे में अंजान हैं। इसीलिए हममें से ज़्यादातर लोग एक साधारण जीवन जीने को मजबूर हैं। दुनिया में सफल और संपन्न लोगों का प्रतिशत दस से भी कम है। अगर हमें भी इन दस प्रतिशत लोगों में शामिल होना है, तो अपनी विलक्षण क्षमताओं को पहचानना और उन्हें विकसित करना सीखना होगा।

ऐसी ही एक अद्‌भुत और ज़बरदस्त शक्ति है- इन्ट्यूशन पॉवर।

यह पुस्तक आपको इन्ट्यूशन पॉवर के बारे में एकदम प्रैक्टिकल और साइंटिफिक जानकारियाँ देगी; मसलन इन्ट्यूशन क्या है, कैसे होता है, किसको होता है, हमारे लिए किस-किस तरह से फायदेमंद है, और यह भी कि वे कौन से आसान तरीके हैं, जिनसे इस पॉवर को और बढ़ाया जा सकता है।

यह पुस्तक आपको इन्ट्यूशन पॉवर के बारे में फैली तमाम भ्रांतियों की सच्चाई से भी अवगत कराएगी, ताकि आप बेवजह खुद को ईश्वर की इस अनमोल देन से महरूम न रखें।

ये ऐसी जानकारियाँ हैं, जिन्हें व्यवहार में लाकर हर आयु वर्ग के लोग चाहे वे विद्यार्थी हों, नौकरीपेशा हों, व्यापारी हों, गृहणियाँ हों, डॉक्टर हों, पुलिस अधिकारी हों, सेना के जवान हों, कलाकार हों, प्रशासनिक अधिकारी हों, या आमजन हों, सभी न केवल खुद को जानलेवा खतरों और बड़े-बड़े नुकसानों से बचा सकते हैं, बल्कि सफल होने के औरों से ज़्यादा मौके भी पा सकते हैं।

Genre: Self-Help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 192 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-93-82419-33-4

अपने बच्चे को बेस्ट कैसे बनाएं

- राखी गोपाल अग्रवाल

कौन माता-पिता नहीं चाहते कि उनका बच्चा न केवल सफल बने, बल्कि हर कोई उसकी प्रशंसा भी करे। मगर वे अक्सर शिकायत करते हैं कि बच्चा उनकी बात नहीं सुनता। जबकि अगर बच्चा उनकी बात सुने और माने, तो अपने आप ही वह बेस्ट बन जाएगा। इन्हीं कुछ समस्याओं के हल और प्रश्नों के उत्तर इस पुस्तक के माध्यम से लेखक ने रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों से ढूंढने की कोशिश की है। पुस्तक से आप जान पाएंगे कि-

- बच्चे में अच्छी आदतें कैसे डाली जाएं।
- बच्चे को अच्छे संस्कार कैसे दें।
- बच्चे की ऊर्जा को सकारात्मक रुख कैसे प्रदान करें।
- बच्चे की परवरिश में किन-किन बातों का ध्यान रखा जाए।

और भी वह सब कुछ, जो ज़रूरी है आपके बच्चे को बेस्ट बनाने के लिए।

Genre: Parenting
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 192 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-93-80496-06-1

डिप्रेशन से छुटकारा

- डॉ. प्रमोद शंकर सोनी

- क्या आप या आपका कोई मित्र डिप्रेशन से ग्रसित है?
- क्या आप डिप्रेशन से छुटकारा चाहते हैं?
- क्या आप चाहते हैं कि डिप्रेशन आपकी कमजोरी न बनकर आपकी ताकत बने?

डॉ. प्रमोद शंकर सोनी की यह किताब डिप्रेशन से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए अमृत का एक ऐसा प्याला है, जो लोगों को न केवल इस अवस्था से छुटकारा दिलाएगा, बल्कि जीवन के लिए नया उत्साह और उमंग भी प्रदान करेगा। यह पुस्तक आपको आपकी समस्या की जड़ तक पहुंचाने के साथ-साथ एक नयी जीवन-शैली के प्रति भी प्रेरित करेगी।

इस किताब में लेखक ने डिप्रेशन के प्रत्येक पहलु का न केवल विस्तृत वर्णन किया है, बल्कि डिप्रेशन से ग्रसित लोगों की सक्सेस स्टोरीज के साथ इससे उबरने के अत्यंत सरल व सटीक उपाए भी सुझाये हैं, जो इस पुस्तक को बेहद दिलचस्प और व्यवहारिक बना देते हैं।

यह किताब उन लोगों के लिए अनिवार्य है, जिन्हें अक्सर निराशा, हताशा, खालीपन, उदासी या चिंता अपने चंगुल में जकड़ लेती है। यह किताब उनको भी पढ़नी चाहिए, जिनके परिवार का कोई सदस्य या मित्र ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है।

स्टूडेंट से लेकर गृहणी तक, हर एक के लिए यह पुस्तक समान रूप से उपयोगी है।

Genre: self-help/health
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 208 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-80496-14-6

समय आपकी मुट्ठी में

- डॉ. विजय अग्रवाल

सचमुच, यह पुस्तक युवाओं, बड़ों तथा विशेषकर विद्यार्थियों और प्रोफ़ेशनल्स के लिए समय-प्रबंधन के लिहाज़ से बहुत उपयोगी है। मुझे ख़ासतौर से 'दैनिक जीवन के लिए समय' वाला चौप्टर बहुत अच्छा लगा।

-डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति

मुट्ठी से रेत की तरह फिसलते समय और उसके प्रति हमारी उदासीनता को लेकर आगाह करती है यह पुस्तक! रोचक उदाहरण इसकी जान हैं।

-इंडिया टुडे

यह पुस्तक नई पीढ़ी के लिए काफ़ी उपयोगी है... इसमें लेखक ने अपनी बात को रोचक ढंग से, छोटे-छोटे उदाहरणों, रोचक कथा-कहानियों, जीवन-प्रसंगों तथा प्रभावशाली सूत्र-वाक्यों के द्वारा प्रस्तुत किया है।

-राष्ट्रीय सहारा

Genre: Self-help/Motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 288 pages
Price: Rs. 250/-
ISBN: 978-93-82419-14-3

आत्मा की खुराक

बेन्तेन बुक्स सम्पादकीय टीम

शरीर की शक्ति के लिए हम भोजन करते हैं, कसरत करते हैं। मानसिक शक्ति के लिए अध्ययन, चिंतन और मनन करते हैं। हमारी भावनात्मक ऊर्जा बढ़े, इसके लिए कला और संस्कृति से जुड़ते हैं। लेकिन आत्मा की शक्ति के लिए?

यह पुस्तक आपको ऐसी खुराक प्रदान करती है, जिससे आप अपनी आत्मा की शक्ति को किसी भी सीमा तक बढ़ा सकते हैं।

और सबसे बड़ी बात यह है कि यह खुराक भी बहुत मीठी है और ज़ाइकेदार भी। यानी कहानी, किस्सों और सच्ची जीवनियों के माध्यम से आत्मा का पोषण।

यह किताब आपको भरपूर आनंद भी देगी और शांति भी।

Genre: Self-Help/Motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 160 pages
Price: Rs. 135/-
ISBN: 978-93-82419-30-3

क्या करें कि बात बन जाए

- डॉ. विजय अग्रवाल

'उसके हाथ में जादू है। वह जिस चीज़ को भी छू देता है, वह सोना बन जाता है।' आप भी अपने हाथ में वह जादू पैदा कर सकते हैं, यह जानकर कि आप ऐसा क्या करें कि बात बन जाए। आप इससे सफलता की इसी रेसिपी को सीख सकेंगे।

हमें हमारे बड़ों ने सफलता के लिए सिखाया है कि 'खूब मेहनत करो।' वे गलत नहीं हैं। लेकिन यह भी है कि यही सब कुछ नहीं है। तो फिर अन्य क्या हैं? यह किताब आपको बताएगी।

किसी अन्य ने नहीं, अपनी सीमा आपने खुद बनाई है। यह पुस्तक आपको वे उपाय सुझाएगी, जिनसे आप अपनी सीमाओं को तोड़कर आगे तक जा सकते हैं।

Genre: self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 224 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-82419-20-4

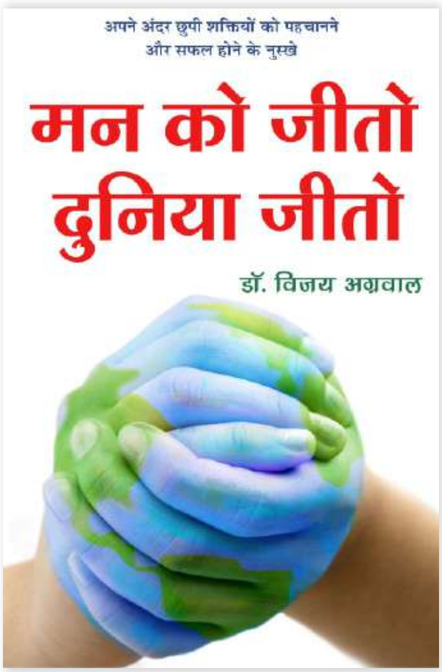

मन को जीतो, दुनिया जीतो

- डॉ. विजय अग्रवाल

''यह किताब उन पाठकों के लिए एक तोहफा है, जो अपने जीवन के प्रति संवेदनशील हैं और कुछ बदलाव चाहते हैं।''

- दैनिक भास्कर

यह पुस्तक उन लोगों के लिए है, जो अपने जीवन की सारी समस्याओं को समाप्त करके सफलता के शिखर पर पहुँचना चाहते हैं।

यह पुस्तक हर किस्म की समस्या से निजात पाने का एक अचूक साधन है। पुस्तक में लेखक ने गहरी और गम्भीर बातों को भी बहुत ही रोचक, सरल और किस्से-कहानियों तथा उदाहरणों के जरिए प्रस्तुत किया है।

पुस्तक पढ़ने के बाद आप जान जाएँगे कि-

- कैसे आप कितनी आसानी से बड़ी से बड़ी समस्या को सुलझा सकते हैं।
- कैसे आप अपने मन और विचारों को जीत सकते हैं।
- कैसे आप अपने अवचेतन मन की शक्ति का इस्तेमाल सफलता पाने के लिए कर सकते हैं।
- कैसे आप भटकावों से बचकर अपने लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ सकते हैं।
- कैसे महान व्यक्तियों ने मन की शक्ति से बड़े-बड़े कार्य किए और यह आप भी कर सकते हैं।

Genre: self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 252 pages
Price: Rs. 295/-
ISBN: 978-81-907025-2-2

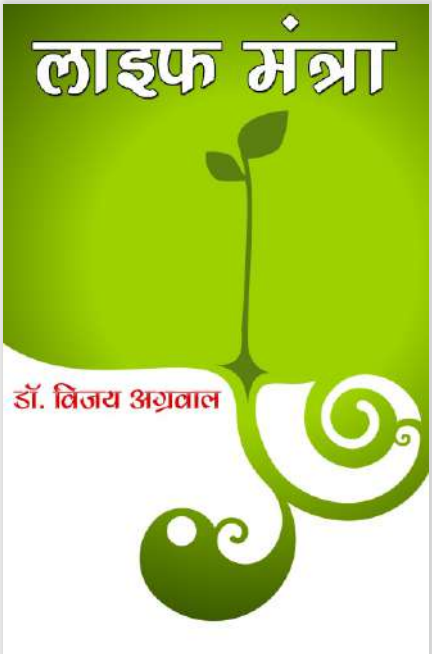

लाइफ मंत्रा

- डॉ. विजय अग्रवाल

“छोटी-छोटी बातों से ही जिंदगी बड़ी बनती है”, जीवन के इस अद्भुत रहस्य को आप जान सकेंगे इस छोटी सी दिखने वाली एक बड़ी किताब से।

हांलाकि इस पुस्तक का कोई भी अध्याय दो पृष्ठ से अधिक का नहीं है। लेकिन इनमें भरा ज्ञान अथाह है। इन्हें जानना सफलता और आनंद के रहस्य को जानना है।

मजेदार बात यह भी है कि आप जीवन की इन गहराइयों में छोटे-छोटे रोचक किस्से और कहानियों के माध्यम से डुबकी लगायेंगे। बहुत मजा आयेगा आपको। “लाइट रीडिंग” यानी कि हल्के-फुल्के तरीके से पढ़ी जाने वाली यह पुस्तक आपको वज़नदार बनाने की ताकत रखती है।

बहुत जगह तो आप चौंक जायेंगे कि “अरे कहीं यह मेरी ही बात तो नहीं है।” डॉ. विजय अग्रवाल अपनी इस तरह की विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं, जिसका स्वाद आपको इसमें मिलेगा।

Genre: self-help/motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 190 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-80496-13-9

सही निर्णय कैसे लें

- डॉ. विजय अग्रवाल

अगर एक सफल और असफल व्यक्ति में कोई अंतर होता है, तो वह सिर्फ निर्णयों का होता है। जहाँ एक सफल व्यक्ति अपनी ज़िन्दगी में ज्यादातर निर्णय सही लेता है, वहीं असफल व्यक्ति के अधिकतर निर्णय गलत साबित होते हैं। यही कारण होता है कि बहुत से लोग कड़ी मेहनत करने के बावजूद वह नहीं पाते, जो वे चाहते हैं। यह पुस्तक सफलता और असफलता के इसी अंतर को मिटाती है।

लेखक ने बड़े ही रोचक अंदाज़ में, सफल व्यक्तियों के उदाहरणों और केस स्टडीज़ के द्वारा सही निर्णय लेने के फॉर्मूले पेश किये हैं। यह पुस्तक खासतौर पर उन लोगों के लिये लिखी गई है-

- जो हमेशा सफल बने रहना चाहते हैं।
- जो कठिन व संघर्ष के समय भी विजेता बनकर उभरना चाहते हैं।
- जो अपने ही गलत निर्णय से स्वयं की सफलता के रहस्य खोजना चाहते हैं।
- जो निर्णय लेने से घबराते हैं।

कुल मिलाकर यह पुस्तक उन लोगों के लिए है, जो सफलता के रास्ते को पहचानकर उस पर चलने की इच्छा रखते हैं।

Genre: Self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 220 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-80496-00-9

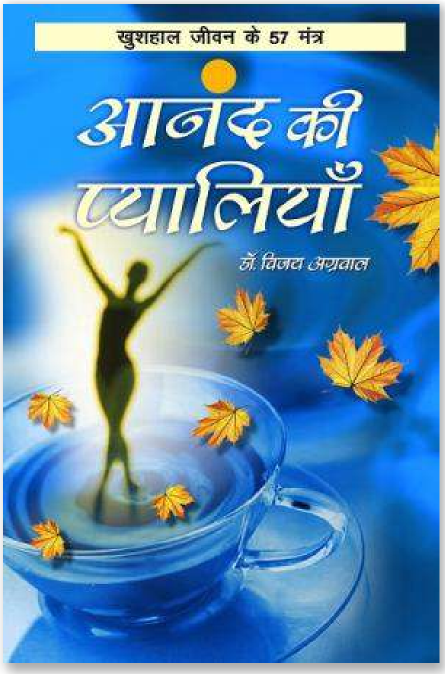

आनंद की प्यालियाँ

- डॉ. विजय अग्रवाल

यह पुस्तक आपको दुखों से छुटकारा दिलाकर, सुखी बनाने और आनंद की प्राप्ती में आपकी सहायक बनेगी। ज़िंदगी कोई भारी भरकम बोझ नहीं है, जिसे जबरदस्ती ढोया जाए। लेकिन ज्यादातर लोगों को यह बोझ ही लगती है, क्योंकि वे इसे ऐसा ही समझते हैं।

यह किताब आपकी इस गलत समझ को दुरुस्त करके आपकी ज़िंदगी को आपके लिए रुई की तरह हल्का और मुलायम बनाने की ताकत रखती है।

इन सबके अलावा भी यह किताब आपको–

- जीने और सोचने का सही तरीका बताएगी,
- मानसिक रूप से आपको स्पष्ट और मजबूत बनाएगी, तथा
- आपके संबंधों को गहराई देगी।

कुल मिलाकर यह पुस्तक आपके अन्दर नएपन का एक ऐसा निर्मल और स्वच्छ झरना तैयार कर देगी कि उसकी ठंडक और उसकी गूँज से आप ज़िंदगी भर आनंदित हो सकेंगे।

Genre: self-help/spirituality
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 190 pages
Price: Rs. 145/-
ISBN: 978-81-907025-0-8

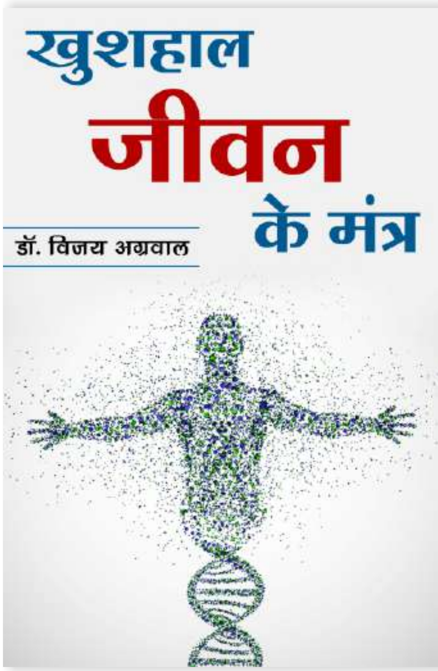

खुशहाल जीवन के मंत्र

- डॉ. विजय अग्रवाल

क्या आप मानते हैं कि दूसरों की ज़िन्दगी के अनुभव और घटनाएं आपके लिए बेशकीमती हो सकतीं हैं? यदि हाँ, तो यकीनन यह किताब आपके लिए बेशकीमती साबित होगी।

इस पुस्तक 'खुशहाल जीवन के मंत्र' की रेंज में आप सामान्य-व्यवहार से लेकर आध्यात्मिकता की ऊँचाई तक का रसास्वादन कर सकेंगे।

'मानों तो भगवान, नहीं तो पत्थर।' मानों तो मंत्र, नहीं तो महज़ शब्दों का जाल। यानी कि यह आपके ऊपर है कि आप इन छोटी-छोटी सच्ची कहानियों को लेते कैसे हैं। लेखक ने तो इन्हें 'खुशहाल जीवन के मंत्र' के रूप में लिया है।

रोजाना एक मंत्र का पाठ और 78 दिनों बाद ज़िन्दगी कुछ और ही, ज़ाहिर है कि पहले से बेहतर।

Genre: self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 192 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-21-1

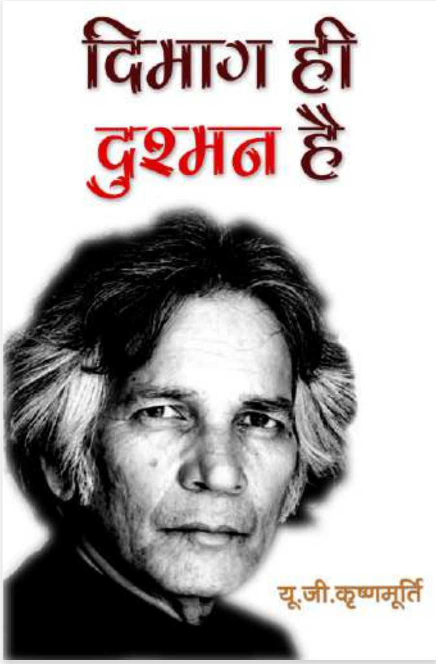

दिमाग ही दुश्मन है

- यू.जी. कृष्णमूर्ति

"यू. जी. कृष्णमूर्ति मेरे कथा नायक हैं। मेरा यू. जी. से मिलने आना मौत के अनुभव का मेरा अपना तरीका है।"

-महेश भट्ट
(पुस्तक "अब...मैं कौन हूँ" से)

इस पुस्तक में यू.जी. कृष्णमूर्ति के साथ की गई बातचीत के अंश हैं, जो किसी भी बात को बिलकुल उसी तरह कहते हैं, जिस तरह कही जानी चाहिए। निश्चित रूप से यह पुस्तक उन लोगों के लिए नहीं है, जो इसे पढ़कर शांति, सत्य या ब्रह्म की प्राप्ति करना चाहते हैं। लेकिन यह उनके लिए अवश्य है, जो अपने दिमाग की चालबाजियों को समझना चाहते हैं और स्वयं को इस जाल में फँसने से बचाना चाहते हैं।

यू.जी. के साथ किया गया यह वार्तालाप एक ऐसी यथार्थवादी और मौलिक दृष्टि प्रदान करता है, जिसकी ओर कभी भी हमारा ध्यान सपने में भी नहीं जाता। यू.जी. की बातें और उनके विचार हमें सहलाते नहीं, बल्कि थप्पड़ मारते हैं। सहलाने और थपथपाने में उनका तनिक भी विश्वास नहीं है। जो व्यक्ति अपने आपके प्रति निर्मम हो सकता है, वही यू.जी. के इन विचारों से लाभ उठाकर अपने जीवन को एक नई दिशा प्रदान कर सकता है।सचमुच यह जानना बहुत दुखद लगता है कि हम अपने उस दिमाग को ही अपना दुश्मन मान रहे हैं, जिसे हम अब तक अपना सबसे बड़ा मित्र समझते थे। लेकिन सच्चाई क्या है, इसे इस पुस्तक को पढने के बाद ही जाना जा सकेगा।

Genre: self-help/philosophy
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 196 pages
Price: Rs. 165/-
ISBN: 978-93-80496-11-5

असफल होना ज़रूरी क्यों है

- डॉ. विजय अग्रवाल

सफल वे नहीं होते, जो कभी गिरते नहीं है, बल्कि वे होते है, जो गिरने के बाद गिरने के कारणों का मूल्यांकन करके फिर उठ खड़े होते है। ऐसा कर पाना सुनने में जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। यह किताब आपको इसी गिरने के बाद उठने के बारे में बताती है और अंततः वहाँ तक पहुँचाती है, जहाँ आप पहुँचना चाह रहे है।

जब कोई असफल हो जाता है, तो कोई उसके साथ नहीं होता। लेकिन आप यकीन कर सकते हैं कि यदि यह पुस्तक आपके साथ है, तो आपको किसी के भी साथ की कमी नहीं खलेगी।

लेखक ने इसमें सिद्ध किया है कि असफलता जैसा कुछ होता ही नहीं है। यह केवल एक पड़ाव है सफलता के रास्ते में। इस पर ठहर जाने या आगे बढ़ जाने से ही सारा फर्क पड़ जाता है।

असफलता और सफलता की ज़मीनी सच्चाइयों से रूबरू कराने वाली अद्भुत पुस्तक है यह।

Genre: self-help/motivation
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 224 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-82419-27-3

Genre: self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 224 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-93-82419-24-2

जागो जानो और जीतो

- प्रीतम गोस्वामी

सपने देखना एक बात है और उसे सच कर दिखाना एक अलग बात। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए है, जिसे नहीं पता कि उसकी सफलता की राह में सबसे बड़ी अड़चन वह खुद है। और वह खुद ही उन सभी चीज़ों का मालिक भी है, जो उसे कामयाब बनाने के लिए ज़रूरी हैं।

यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए है, जिसने अपने आपको औसत मान लिया है और जो सपने भी कंजूसी से देखता है। जो तेज़ी से आगे बढ़ रही दुनिया में पिछड़ रहा है। जो चैंपियन बनना तो चाहता है, लेकिन जिसके पास कोई सही 'कोच' नहीं है।

इस पुस्तक में दिए गए प्रैक्टिकल आइडियाज़ की मदद से आप जान पाएँगे कि आप क्या कर सकते हैं, आपकी वास्तविक क्षमताएँ क्या हैं, प्राथमिकताएँ क्या हैं तथा आप किस मिट्टी के बने हुए हैं। यह पुस्तक आपको उन रास्तों का चुनाव करने और उन पर आगे बढ़ने में मदद करेगी, जो एक सफल व समृद्ध जीवन की ओर ले जाते हैं, जो आपको अपनी क्षमताओं का भरपूर दोहन करने का अवसर देते हैं।

सही मायने में यह पुस्तक आप के चहुँमुखी विकास के उद्देश्य को सामने रखकर तैयार की गई एक मार्गदर्शिका है।

Genre: self-help
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 200 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-82419-17-4

नौकरी पाने के नियम

- दयाशंकर मिश्र

"नौकरी पाने के नियम" किताब उन सभी युवाओं, प्रोफेशनल्स के लिए है, जो नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वे किस फील्ड से हैं। फर्क इससे पड़ता है कि वे चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार कितने हैं। यह किताब ऐसे युवाओं के लिए है, जो प्रतिभाशाली और मेहनती हैं। लेकिन अलग-अलग कारणों से अच्छे जॉब, कॅरियर से वंचित हैं।

नौकरी पाना, फिर उसे बचाए रखना ऐसी कला है, जिसकी देश के युवाओं को आज सबसे ज्यादा जरूरत है। इसलिए यह किताब नौकरी पाने और फिर उसे बचाने के नियमों को एकदम स्पष्ट और सरल भाषा में बताती है।

इसी तरह "नौकरी पाने के नियम" में उन योग्यताओं का भी विस्तार से जिक्र है, जो आपके कॅरियर को संवारने तथा तरक्की के लिए हर कदम पर ज़रूरी हैं।

यह किताब आपको कॉर्पोरेट वर्ल्ड की चुनौतियों के लिए भी तैयार करती है, क्योंकि कॅरियर में वही लोग सफल होते हैं, जिन्हें चुनौतियों का सामना शानदार तरीके से करना आता है ।

उम्मीद है कि "नौकरी पाने के नियम" पढ़ने के बाद नौकरी पाने के लिए आपका संघर्ष हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। इसके साथ ही किताब में दिया गया नौकरी बचाने का स्पष्ट रोडमैप आपको नौकरी के प्रति हमेशा चिंतामुक्त भी रखेगा।

ज्योतिष से बदलें जीवन

- पंडित सुरेश शास्त्री

"हमारे भविष्य के गर्भ में क्या छिपा है" मानव की इस स्वाभाविक जिज्ञासा के कारण प्रत्येक व्यक्ति ज्योतिष शास्त्र की ओर आकर्षित है और इसका सामान्य ज्ञान रखने को उत्सुक है। इस इच्छा को पूर्ण करने के लिए काफी समय से किसी ऐसी पुस्तक का अभाव खल रहा था, जिसे पढ़कर इस क्षेत्र से अनभिज्ञ रहा व्यक्ति भी ज्योतिष शास्त्र के मूल सिद्धांतों तथा बातों को समझ सके।
इस कमी को दूर करने के उद्देश्य से ही प्रस्तुत "ज्योतिष से बदलें जीवन" नामक पुस्तक एकदम सरल भाषा में लिखी गयी है। ज्योतिष से संबंधित लगभग सभी विषयों की चर्चा इस पुस्तक में की गई है। जहां एक ओर इस पुस्तक में सौर मंडल का ज्ञान, प्रारंभिक ज्योतिष के मूलभूत सिद्धान्तों, द्वादशभाव, नवगृह सजृन, विशिष्ट योग, महादशा, अन्तर्दशा तथा प्रत्यन्तर दशा का ज्ञान तथा दशाओं का मानव जीवन पर पड़ने वाले सूक्ष्मान्तर एवं प्राणान्तर दशा प्रभाव को समझाया गया है, वहीं दूसरी ओर दैनिक जीवन में काम आने वाले विषय जैसे मुहूर्त ज्ञान, प्रश्नकुंडली द्वारा फल, रत्नज्ञान तथा रत्नों द्वारा अनिष्ट ग्रहों का उपचार और ज्योतिष द्वारा रोगनिदान आदि पर भी रोचक समाग्री सरल भाषा में प्रस्तुत की गयी है।
इस पुस्तक की रचना आम जिज्ञासु पाठकों को ध्यान में रखकर की गयी है। आशा है कि यह पुस्तक एक साधारण पाठक के लिए भी उपयोगी तथा ज्ञानवर्धक साबित होगी।

Genre: astrology
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 271 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-80496-16-0

शेयर मार्केट से कैसे बनाये मैंने 10 करोड़

- निकोलस डर्वास

हंगरी में जन्में निकोलस डर्वास ने यूनिवर्सिटी ऑफ बुडापेस्ट से अर्थशास्त्र में डिग्री ली। हंगरी में अच्छा न लगने की वजह से वे 20 साल की उम्र में एक नकली वीज़ा और पचास पाउंड स्टर्लिंग लेकर इस्तानबुल, टर्की चले गए। वहाँ वे एक डांसर बन गए और खाली समय में उन्होंने शेयर मार्केट पर लगभग दो सौ किताबें पढ़ डालीं।
मात्र 39 साल की उम्र में उन्होंने 20 लाख डॉलर (लगभग 10 करोड़ रुपये) शेयर मार्केट से कमा लिए और वह भी बहुत ही मामूली धन लगाकर। अपनी तकनीक और अनुभवों को उन्होंने अपनी इस पुस्तक में समेटा है। यह पुस्तक शेयर मार्केट के जगत में एक क्लासिक के रूप में मानी जाती है।

Genre: Personal Finance
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 192 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-93-82419-18-1

ब्यूटी टिप्स

- राखी अग्रवाल

सौंदर्य तो शाष्वत है।

सौंदर्य को निखारना और उसे बरकरार रखना एक कला है।

पुस्तक में सौंदर्य के साथ-साथ त्वचा से जुड़ी समस्याओं और उनके सरल घरेलू उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है।

बाजार में मिलने वाले उपलब्ध सौंदर्य प्रसाधनों के साथ-साथ घर पर ही उपलब्ध साधनों के प्रयोग का व्यवहारिक एवं सुन्दर संयोजन पुस्तक में किया गया है।

यह पुस्तक फटाफट मेकअप और ट्रेंडी लुक्स के बारे में आपका दायरा बढ़ाने का भी काम करती है।

Genre: beauty/self-care
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 144 pages
Price: Rs. 125/-
ISBN: 978-93-82419-39-6

घर में दावत

- आशा अग्रवाल

हाल के दस वर्षों में पाककला और व्यंजनों का जिस तरह से अंतरराष्ट्रीयकरण हुआ है, उस परिवेष में घर पर ही विभिन्नता से भरपूर स्वादिष्ट व्यंजन बनाना सचमुच एक कला है।

पाककला या व्यंजनों पर पुस्तकों की आज कोई कमी नहीं है। हर पुस्तक में पाकषास्त्र से जुड़ी कोई-न-कोई विषेषता मिल ही जाती है।

श्रीमती आषा अग्रवाल की इस पुस्तक में भारत के पारंपरिक स्वाद से लेकर अंतरराष्ट्रीय रसोई का भी भारतीयकरण किया गया है।

कांटीनेन्टल हो या चाइनीज; सभी व्यंजनों को भारतीय गृहिणी अपनी रसोई में कितनी सुगमता से बना सकती है, यह इस पुस्तक से सीखी जा सकती है।

व्यंजन बनाने में सरलता के साथ-साथ विधि का स्पष्ट होना पुस्तक की विषेषता है।

पुस्तक में दी गई विधियों से बनाए गए व्यंजनों में विदेषी और देषी सम्मिश्रण के स्वाद का भी अनुभव किया जा सकता है।

Genre: Cook Book
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 160 pages
Price: Rs. 125/-
ISBN: 978-93-82419-40-2

Genre: social
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 300 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-80496-09-2

आधी रात का सच

- विजय मनोहर तिवारी

15 हजार से ज्यादा मौतों के आरोपी सस्ते में छूटे। एक दिन भी जेल में नहीं काटना पड़ा। एक समय दुनिया का दिल दहला देने वाले इस भयानक हादसे के अनगिनत पीड़ित अब भी यूनियन कार्बाइड के आसपास की बस्तियों में मौत से बदतर जिंदगी गुजार रहे हैं। लेकिन हादसे के जिम्मेदार दिग्गजों और उनके मददगार राजनेताओं और अफसरों की ज़िंदगी चैन से कट रही है। भोपाल से दिल्ली और न्यूयार्क तक, 25 साल बाद किस हाल में हैं ये किरदार? इससे पहले कि वक्त के साथ सब कुछ धुंधलाता जाए, यह जरूरी था कि इस हलचल को किताब के पन्नों पर समेट दिया जाए।

अब तक अखबारी या टीवी की सालाना कवरेज तक सीमित रही इस मानवीय त्रासदी पर ज्यादातर बाहर के लेखकों ने लिखा है, वह भी अंग्रेजी में। 'हरसूद 30 जून' और 'एक साध्वी की सत्ता कथा' जैसी चर्चित किताबों के लेखक मध्यप्रदेश मूल के पत्रकार विजय मनोहर तिवारी की इस किताब में आप पढ़ेंगे-

खास खबरें, तल्ख टिप्पणियां...बेबाक बयान, सीधी बातें...

लेटलतीफ मामले, मनमाने फैसले...ढेर सारे गम, थोड़ी सी खुशी...

सच्चे-सवाल, झूठे जवाब...अनगिनत अनदेखियां, बेहिसाब शिकायतें...आदि-आदि। दरअसल एक संग्रहणीय दस्तावेज़ है यह।

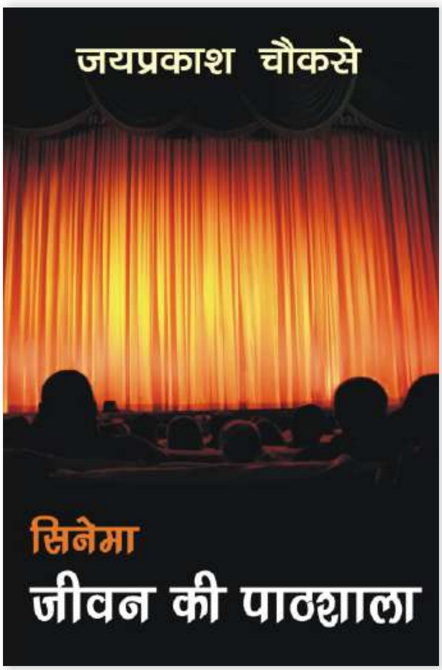

Genre: life/cinema/entertainment
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 184 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-80496-12-2

सिनेमा: जीवन की पाठशाला

- जयप्रकाश चौकसे

फिल्में हमें हँसाती हैं। फिल्में हमें रुलाती हैं। ये हमें बहलाती हैं। तो क्या ये हमें कुछ सिखाती भी हैं? इस प्रश्न का उत्तर है, 'जी हाँ, फिल्मों का सफेद बड़ा परदा कागज का एक विशाल पन्ना होता है, जिस पर तस्वीर के अक्षर उभरकर हमें अपनी-अपनी जिन्दगियों के लिए न जानें कितनी सीखें दे जाते हैं। इस तरह की कई सीखों को आप इस किताब में पढ़कर रोमांच से भर उठेंगे। साथ ही यह किताब आपको फिल्मों को देखने का एक ऐसा मज़ेदार नज़रिया देगी कि अब से फिल्म आपके लिए पाठशाला भी बन जायेगी।

प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक एवं 'दैनिक भास्कर' में 'परदे के पीछे' कॉलम के बेहद लोकप्रिय लेखक श्री जयप्रकाश चौकसे ने अपनी कलम से यह करिश्मा कर दिखाया है। लेखक के कहने का अंदाज इतना नया और रोचक है कि आप इस किताब को पढ़ते हुए फिल्म को देखने का भी आनंद उठा सकते हैं।

श्री चौकसे फिल्मों की दुनिया से सीधे-सीधे जुड़े हुए व्यक्ति हैं। फिल्म-लेखन, फिल्म-निर्माण और फिल्म के वितरण से लेकर टी.वी. रियलिटी प्रोग्राम 'दस का दम' और 'बिग बॉस' में उनका सृजन-सहयोग रहा है। यही सहयोग उन्होंने सलमान-करीना की फिल्म 'बॉडीगार्ड' के लिए भी दिया है।

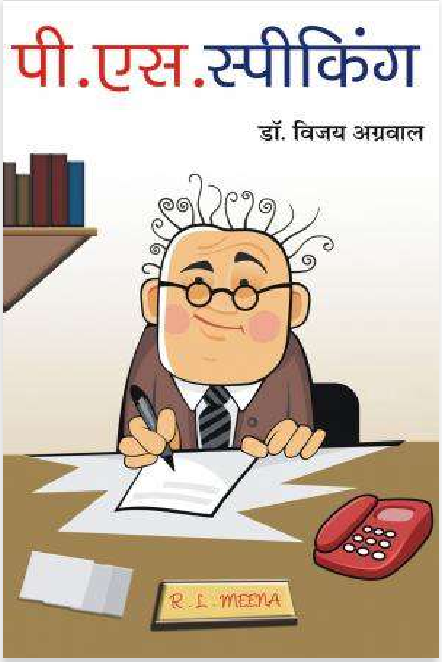

Genre: fiction
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 172 pages
Price: Rs. 125/-
ISBN: 978-93-80496-03-0

पी. एस. स्पीकिंग

- डॉ. विजय अग्रवाल

"जीवन की विपरीत स्थितियों के कारण विलुप्त हो गई निजता के दर्द का एहसास इस पुस्तक का मर्म है।"

- हिन्दुस्तान टाइम्स

ग्लोबलाइज़ेशन के दौर ने हमारे जीवन को एक ऐसी अनजानी यात्रा बना दिया है, जिसकी न तो मंजिल निश्चित है और न ही पड़ाव। हम सब भीड़ के एक चाहे-अनचाहे हिस्से होते जा रहे हैं, जिसकी दिशा का निर्धारण हम नहीं बल्कि भीड़ कर रही है। जिधर भी होता है भीड़ का दबाव, हम उधर ही चल देते हैं, विवश होकर। ऐसी स्थिति में व्यक्ति की निजता न जाने कहाँ चली जा रही है, और यह इस सीमा तक हो जाता है कि कुछ समय बाद स्वयं द्वारा स्वयं को पहचानना ही मुश्किल हो जाता है, बशर्ते कि इसके लिए ईमानदारी से कोशिश की जाए।

यह उपन्यास स्मृतियों के माध्यम से स्वयं को पहचानने की कोशिश की व्यंग्यपूर्ण, किंतु एक मर्मिक कथा है। यह एक ही दिन में पूरी की गई अंतर्जगत की एक पश्चातापपूर्ण यात्रा है। लेखक ने इस करुण कथा के लिए व्यंग्य का जो सहारा लिया है, वह रचनात्मक ऊर्जा एवं सामाजिक-राजनीतिक आक्रोश की अभिव्यक्ति के लिए अनिवार्य जान पड़ता है। पूरी कथा को चौदह-पंद्रह घंटों के फ्रेम में कसने का प्रयोग इस उपन्यास में एक नई चमक पैदा करता है।

इस उपन्यास को पढ़ते समय लगता है कि यह बदले हुए रूप में कहीं-न-कहीं हम सबकी अपनी-अपनी कहानी है। यही इसकी सफलता है, और शक्ति भी।

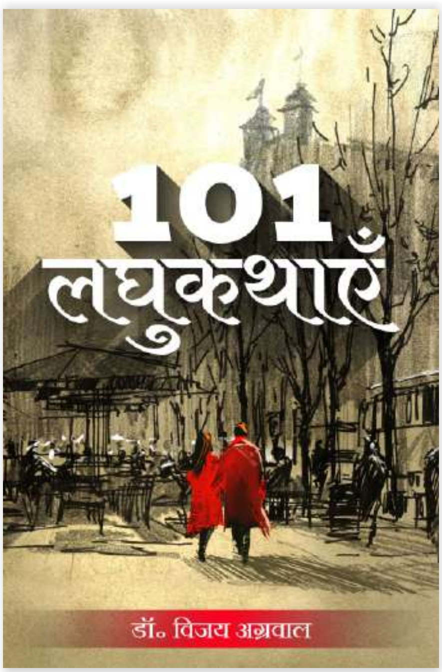

Genre: short stories
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 160 pages
Price: Rs. 175/-
ISBN: 978-93-82419-38-9

101 लघुकथाएँ

- डॉ. विजय अग्रवाल

प्रतिष्ठित लेखक डॉ.विजय अग्रवाल की ये लघुकथाएँ स्वयं पर लगाए जाने वाले इस आरोप को झुठलाती हैं कि लघुकथाएँ लघु तो होती हैं, लेकिन उनमें कथा नहीं होती। इस संग्रह की लघुकथाओं में कथा तो है ही, उन्हें कहने के ढंग में 'कहन' की शैली भी है। इसलिए ये छोटी-छोटी रचनाएँ पाठक के अंतर्मन में घुसकर वहाँ बैठ जाने का सामर्थ्य रखती हैं।

ये लघुकथाएँ मानव के मन और मस्तिष्क के द्वंद्वों तथा उनके विरोधाभासों को जिंदगी की रोजमर्रा की घटनाओं और व्यवहारों के माध्यम से हमारे सामने लाती हैं। इनमें जहाँ भावुक मन की तिलमिलाती हुई तरंगें मिलेंगी, वहीं उनके तल में मौजूद विचारों के मोती भी। पाठक इसमें मन और विचारों के एक ऐसे मेले की सैर कर सकता है, जहाँ बहुत सी चीजें हैं, और तरीके एवं सलीके से भी हैं।

इस संग्रह की विषेषता है- सपाटबयानी की बजाय किस्सागोई। निष्चय ही ये लघुकथाएँ सभी पाठकों को कुरेदेंगी, गुदगुदाएँगी और सोचने को विवष भी करेंगी।

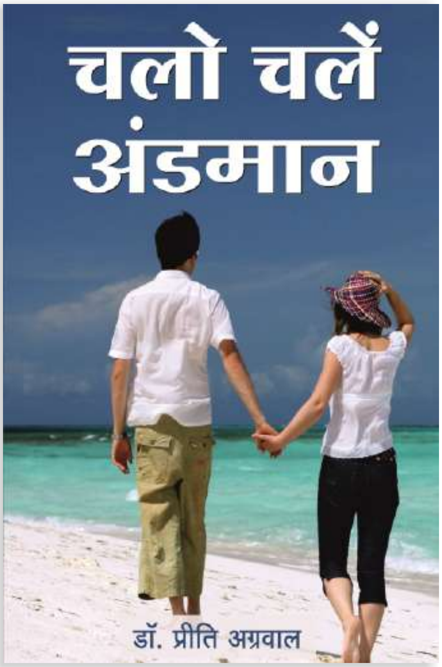

Genre: travelogue
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 96 pages
Price: Rs. 95/-
ISBN: 978-93-80496-01-6

चलो चलें अण्डमान

- प्रीति अग्रवाल

"चलो चलें अण्डमान" एक ऐसी पुस्तक है, जो एक पर्यटक की निगाह द्वारा तीर्थ-यात्रा की भावना से लिखी गयी है। इसमें अण्डमान के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व का पूर्ण चित्रण मिलता है। इसे पढ़ने के बाद वहां के बारे में जानने को कुछ विशेष रह नहीं जाता।

और सबसे बड़ी बात यह कि यह पुस्तक एक प्रकार से अण्डमान-निकोबार द्वीप का यात्रा-संस्मरण होने के साथ-साथ एक टूरिस्ट गाइड का भी काम करती है। इस किताब में पाठक अपने हर उन प्रश्नों का उत्तर पा सकता है, जो एक पर्यटक के रूप में उसके मन में उठेंगे।

यदि आप अण्डमान नहीं जा पा रहे हैं, तो कोई बात नहीं। आप इस किताब के जरिए अपने घर पर बैठे-बैठे ही वहाँ घूमने का आनंद ले सकते हैं। वहाँ के अद्‌भुत सौन्दर्य को जीवंत कर देने वाली एक शानदार पुस्तक है यह।

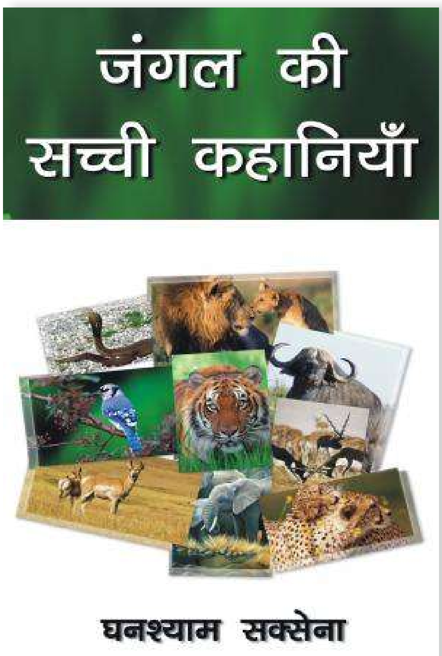

Genre: wild-life/real stories
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 195 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-80496-10-8

जंगल की सच्ची कहानियाँ

- घनश्याम सक्सेना

- वह बाघ ब्रह्मचारी था ? कान्हा से पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में आने के बाद उसने महीनों तक बाघिनों में कोई रुचि क्यों नहीं ली ?
- क्या कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के बारासिंगे नपुंसक थे कि तराई से बारासिंगे लाकर नियोग द्वारा वंशवृद्धि का सुझाव दिया गया था ?
- क्या वह रीछ सुन्दर ग्रामबालाओं में रुचि लेता था ?
- उस बुलबुल ने लेखक को बार-बार क्यों मारा ?
- क्या सिंहपुरुष आदमसन ने वन्यप्राणियों का चाल-चलन मध्यप्रदेश के कूनो-पालपुर में सीखा था ?
- क्या खटमोर पक्षी अज्ञातवास करता है ?
- क्या मध्यप्रदेश के एक वनमंत्री ने चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन से रीछ का जननेन्द्रिय लाने की फरमाइश की थी ?

इस पुस्तक के लेखक घनश्याम सक्सेना ने अपनी जिन्दगी के सबसे महत्वपूर्ण लम्बे साल जंगलों में ही गुजारे हैं, एक अधिकारी के रूप में। इसमें शामिल कहानियों को उन्होंने अपने सामने घटते हुए देखा है।

इस किताब के जरिये आप भी इन कहानियों को दिल और दिमाग में घटते हुए देख सकते हैं। फिर आप अपने आप जंगलों से गहरे रूप से जुड़ जाएंगे और हाँ, जंगल के इन मासूम और प्यारे जानवरों से भी।

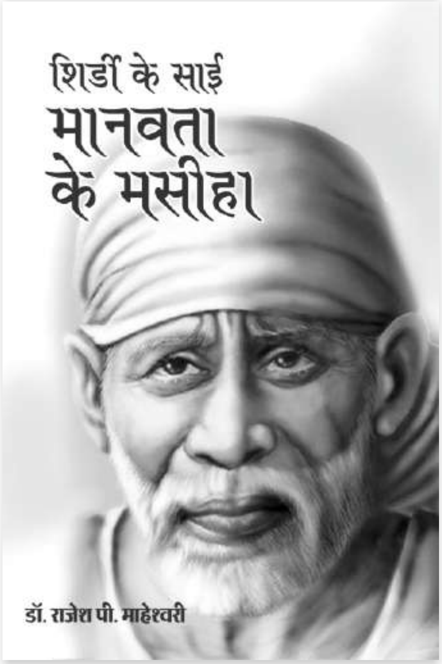

शिर्डी के साई मानवता के मसीहा

- डॉ. राजेश पी. माहेश्वरी

सदियों पुरानी परंपरा नहीं है शिरडी के साई की। 1838 के आसपास जन्में। 20 साल की उम्र में शिरडी आए। 60 साल तक डटे रहे। वे पुराण प्रसिद्ध नहीं हैं। न तो उन्होंने रावण का वध कर रामायण रची-राम की तरह, न महाभारत के सूत्रधार बनकर गीता का ज्ञान दिया-कृष्ण की तरह। राजपाट छोड़कर सत्य की खोज में नहीं भटके-बुद्ध और महावीर की तरह। देश के कोने नापने नहीं निकले-शंकराचार्य की तरह। पश्चिम में आध्यात्मिक प्रखरता का परचम नहीं फहराया-विवेकानंद की तरह। ट्रेन तक में नहीं बैठे।

दो गांव हैं-राहाता और नीमगांव। शिरडी के दोनों तरफ। इनके पार नहीं गए ताजिंदगी। ऐसे मसीहा की अद्‌भूत जीवन-कथा कहती है यह पुस्तक।

Genre: spiritual
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 176 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-80496-17-7

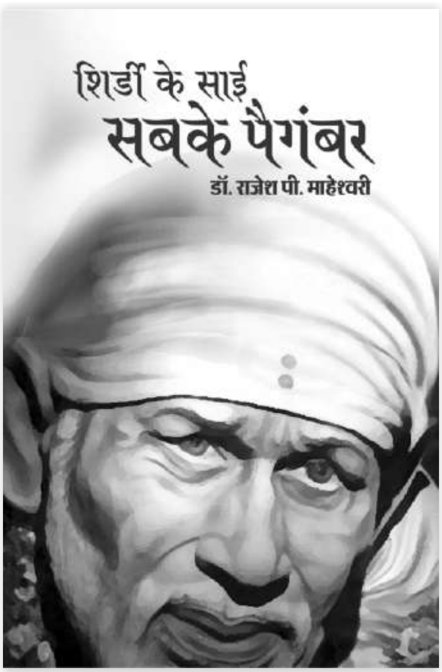

शिर्डी के साई सबके पैगंबर

- डॉ. राजेश पी. माहेश्वरी

साई के जीवन का एक दिलचस्प अध्याय भी है। चमत्कारी किस्से-कहानियों से अलग। कम लोगों का ध्यान इस तरफ गया। श्रद्धा के सैलाब में छिपा एक बेशकीमती प्रयोग। बड़े से बड़ा सुधारवादी भी आज जिसकी कल्पना नहीं कर सकता। 1911, निर्वाण के सात साल पहले। बाबा ने रामनवमी का जबर्दस्त जलसा शुरू कराया, मस्जिद में। इसमें गोकुल उत्सव और उर्स-मोहर्रम भी जोड़ दिए। इनमें बाबा के मुस्लिम मुरीद दूसरे भक्तों के माथे पर चंदन का टीका लगाते। हिंदू अनुयायी उर्स में पानी पिलाते। कौमी एकता का नारा नहीं लगाया। दो धर्मों को भिड़ने की बजाए मिलने का मार्ग बता दिया।

इस पुस्तक से आप साई बाबा के जीवन की सच्ची कहानियों के माध्यम से आध्यात्मिकता को सच्चे और नए अर्थों में समझ सकेंगे।

Genre: spiritual
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 180 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-93-80496-18-4

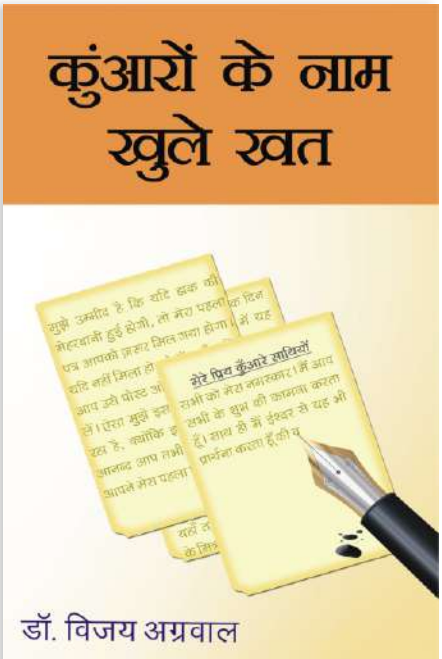

कुंआरों के नाम खुले खत

- डॉ. विजय अग्रवाल

दहेज शादी के नाम पर किया जाने वाला महज एक सौदा भर नहीं है। यह धधकती हुई एक ऐसी आग है, जिसकी गिरफ्त में आकर न केवल लड़की ही, बल्कि लड़का भी झुलसता है। यह छोटी सी, किन्तु बहुत दमदार किताब इसी झुलसन की करुण और सच्ची कथा कहती है।

छोटी सी यह किताब एक लड़की के मन के कहीं गहरे उतरकर उसके उस मनोविज्ञान की सूक्ष्म जाँच-पड़ताल पेश करती है, जिससे उसका व्यक्तित्व बनता है। और इसी बने हुए व्यक्तित्व के साथ वह अपना दाम्पत्य जीवन जीती है।

निः संदेह रूप से पत्र की शैली में लिखी गई यह अपनी तरह की इकलौती पुस्तक है- अत्यंत मार्मिक, रोमांचक और रोचक भी।

Genre: social
Language: Hindi
Binding: Paperback
No. of pages: 88pages
Price: Rs. 75/-
ISBN: 978-93-80496-04-7

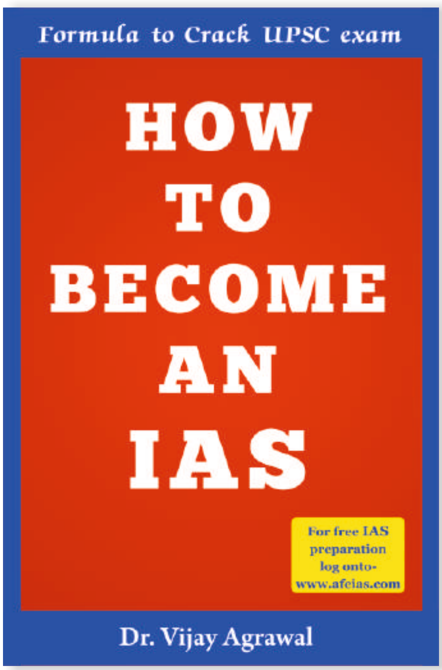

How To Become An IAS

by Dr. Vijay Agrawal

- You may have any query about the IAS exam, this book will give you a solution – you will find answers to all your doubts on preliminary exam, mains and interview.
- The book talks to you, in a detailed and simple manner so that there is nothing you don't understand.
- The book doesn't deal in exam-related theories. It talks about practical things that you can actually do and do wonders after doing them.

The truth is that this book is a sort of 'coaching institute', a handbook and undoubtedly an 'encyclopaedia' for all IAS aspirants.

Genre: Career
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 400 pages
Price: Rs. 295/-
ISBN: 978-93-84055-03-5

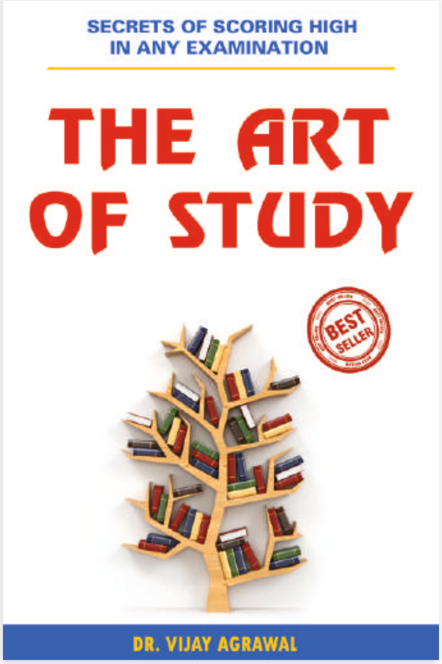

Genre: self-help
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 158 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-81-907025-6-0

The Art Of Study

by Dr. Vijay Agrawal

One must attain a state of self-actualization in the pursuit of true happiness. The human mind is full of endless possibilities. These possibilities can only be actualized when we have the ability to step beyond conventional methods of thinking and leverage the yet untapped, perhaps even dormant potential of our brain. This book provides a new and alternative approach on how to study. The book shares perspectives and techniques which will help the reader gain a better understanding of how thought works and will stimulate the readers brain. And this book even says- Anybody can do it! A tremendous book for students who want to excel beyond what may be, their perceived limits.

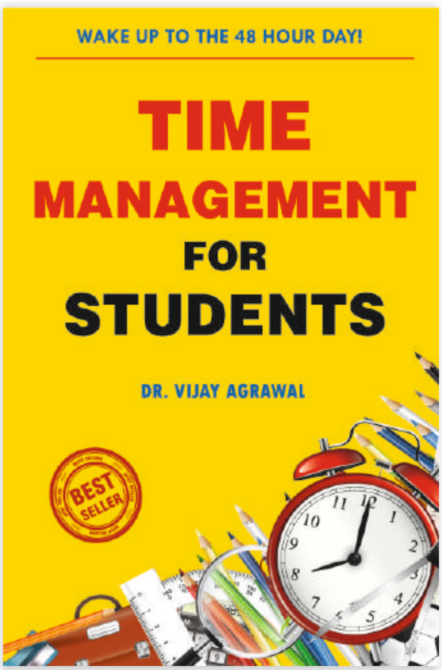

Genre: self-help
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 168 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-81-907025-7-7

Time Management For Students

by Dr. Vijay Agrawal

Time is the gallant resource that most of us are short of. If managed properly it promises to liberate us, alleviate us and work wonders for us. This book gives an in-depth practical knowledge of time-management through the control of mind and various techniques and discussions. If these are put into practice evolution and emancipation would start from within. This book is an endeavour (from the author) to connect you to your ownself.

Personality Development For Students

by Dr. Vijay Agrawal

In this day and age, it is not possible to win the competition of life based only on studies. To stay ahead in life, you need to be different and unique. This is exhibited in your personality, which makes you stand out even in a crowd.

After the success and popularity of 'The Art of Study', 'Time Management for Students and 'Students and the Power of Mind', Dr. Agrawal has added another book 'Personality Development for Students' in this series.

The book mentions things that are important for a student to develop an attractive personality. Students will also get to learn about body language, communication skills, manners and dressing etc through the book.

This book will eliminate the gap between an average student and an exceptional one. This book is for those students who want to win the race of life and career.

Genre: self-help
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 176 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-82419-25-9

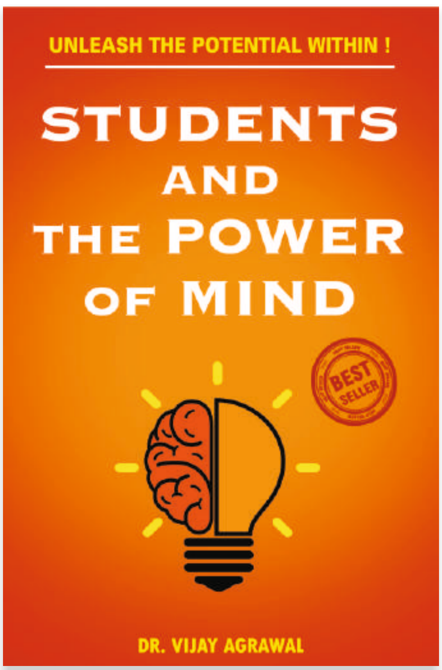

Students And The Power Of Mind

by Dr. Vijay Agrawal

How can we convert our weaknesses into our strengths; hindrances and obstacles into our most powerful assets? It is by having substantial control over our thought process-in effect, our mind. We know that it is emotional intelligence, the quantum of which determines our individual success in life. This book dwells extensively upon understanding our self and then the methods to improve upon our weaknesses and shortcomings. The subconscious mind or our higher self knows no bounds. It is through understanding its powers and harmonizing it with that of our conscious mind that we develop the perfect blend to achieve success and fulfillment in our lives. A book that provides you with the diagnosis of your own mind and the remedies to your limitations. Doing so, enables you to reach for the skies.

Genre: self-help
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 128 pages
Price: Rs. 150/-
ISBN: 978-81-907025-8-4

Your Time Starts Now

by Dr. Vijay Agrawal

"This is indeed a useful book on time management for the young, elderly and especially students and professionals. I especially liked the chapter- Time Management For Daily Routine."

Dr. A.P.J. Abdul Kalam

Former President of India & renowned Scientist

If you intend to succeed in life, it is necessary to become an expert in time-management. The art of time management teaches you how to deal with the enormous task of overwork without being unhappy or anxious about.

Author gives a roadmap of success by showing how to plan your day, how to prioritize your work, how to adjust your work life with your home life in order to achieve the maximum happiness. The author proves that time management is an art and like any other art it can also be learnt.

Genre: self-help
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 256 pages
Price: Rs. 250/-
ISBN: 978-93-82419-19-8

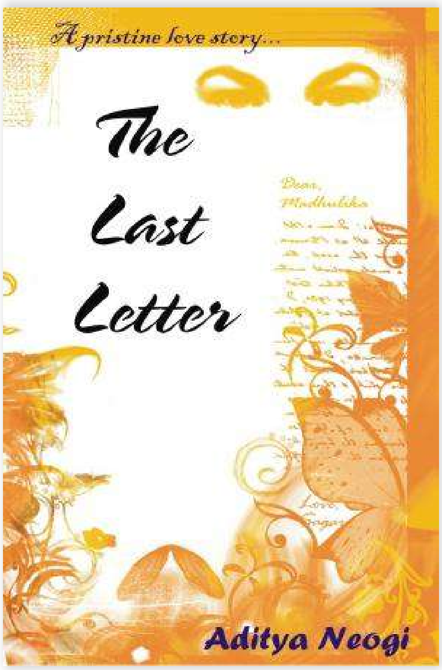

The Last Letter

by Aditya Neogi

A compelling, riveting and transcendental love story of two people fighting against the societal norms, yet bonding spiritually to show extraordinary resilience against terrible odds. A story of love, sacrifice and exemplary courage written in an interesting way only through the letters exchanged between Sagar and Madhulika traverse the ardous path from physical attraction to their spiritual-resonance where their love expands to embrance the humanity and the world.

Genre: fiction/novel
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 112 pages
Price: Rs. 95/-
ISBN: 978-93-80496-02-3

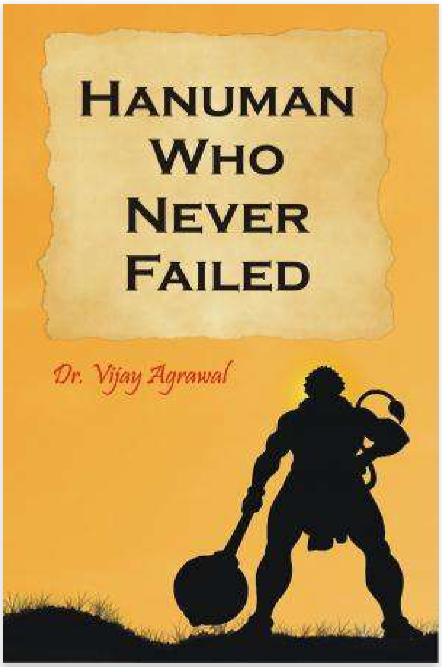

Hanuman Who Never Failed

by Dr. Vijay Agrawal

"Readers are falling one over another in order to buy this book, to learn from the greatest Management Guru worldwide, Hanuman.
Anyone who would like to conquer the tricky waters of management, would do well to keep in mind the success principles of Hanuman, a maverick in management issues."

-STAR NEWS

This book highlights Hanuman's qualities, emotions, thoughts, actions and values in life as has been characterized in the great epic. These qualities of his, which led to his success are in sync even today with management principles of the world.

Genre: self-help
Language: English/ spirituality
Binding: Paperback
No. of pages: 200 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-80496-05-4

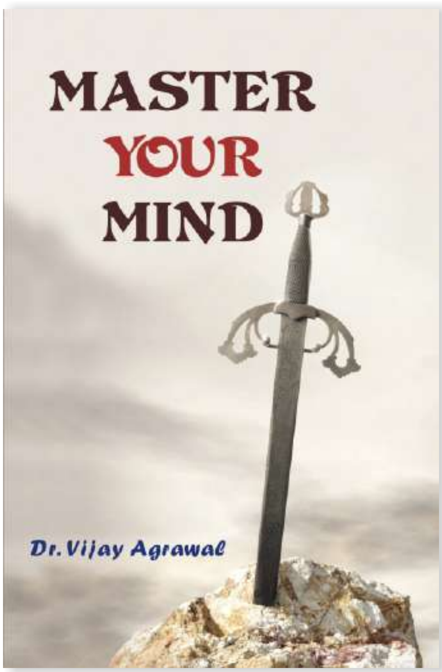

Master Your Mind

by Dr. Vijay Agrawal

This book by Dr. Vijay Agrawal is a mirror wherein every reader can see the reflection of his inner self and outer deeds. You can get to know your true 'self'. With the help of your true 'self' and with control over your 'mind', you can achieve all that you desire.
Using simple and interesting stories, anecdotes and examples to get through the most intricate topics, is a rare ability among writers which you will find in this book.
"Master Your Mind" is a fabulous book for everyone who yearns for a life full of joy and happiness. It is an extraordinary book and has the power to light the spark of revolution in you.

Genre: self-help
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 315 pages
Price: Rs. 395/-
ISBN: 978-93-80496-07-8

ENGLISH NEW ARRIVALS

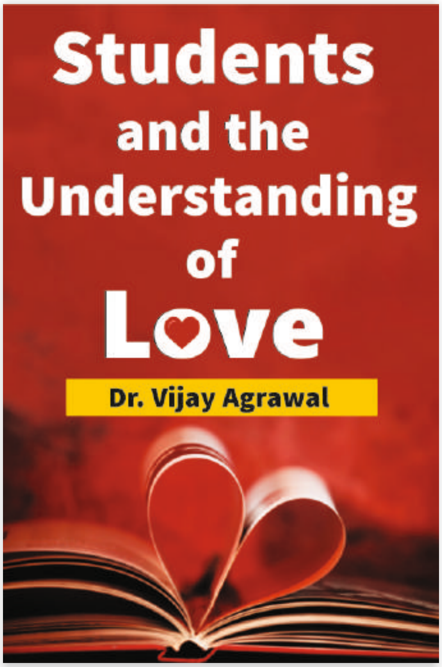

Genre: self-help/Motivation
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 208 pages
Price: Rs. 195/-
ISBN: 978-93-82419-44-0

Students and the Understanding of Love

by Dr. Vijay Agrawal

Once you develop any type of 'understanding', two miraculous changes occur instantly in life.

-First, problems do not remain problems any more.

-And second, these problems actually turn into a source of strength.

For instance, when you 'understand what love is', you will be able to truly feel the joy of it and soar above the clouds. This book will help you soar. This unique book delves into all aspects of love, takes a plunge into its depths, and gives you the spellbinding results. Your excuse of not having enough time to read will not work here.

It has been written specially for students and young adults.

Genre: career
Language: English
Binding: Paperback
No. of pages: 360 pages
Price: Rs. 395/-
ISBN: 978-93-82419-43-3

How to become an IAS Part-2

by Dr. Vijay Agrawal

Have faith that if destinations exist, so do pathways. This would mean that these paths often lead you to your destination. Perhaps, it doesn't hold true for all pedestrians, but there are some who are able to overcome all obstacles and reach their destination. This could be you.

Unlike what most people believe, neither are destinations out of reach, nor is the road to the destination a specially tough one. It is us who render them difficult in two ways. First, we are not aware of how the path is or what we might encounter there and secondly, we don't really know how to tread on this path.

This is the second in a series of books following Dr. Vijay Agrawal's bestselling title 'How to become an IAS'. While the first part of the series shows you the path to achieve your dream of becoming an IAS officer, the second part i.e. this book is a step-by-step guide on how to walk on that path. This way, it becomes easier for you to reach your destination.

It is better that you browse through the index just to see what you might fight inside. I challenge you to put it down after that.

भोपाल के सानिध्य का पुस्तक पढ़ो अभियान

पिछड़ना नहीं है तो
किताबें पढ़ो

भोपाल के एक युवक ने एक अनूठा अभियान शुरू किया है। 'पुस्तक पढ़ो' नामक इस अभियान शुरू करने वाले हैं सानिध्य नारायण। दरअसल इस अभियान को शुरू करने का ख्याल उन्हें दिल्ली में अध्ययन करते हुए तब आया जब उन्होंने यह देखा कि उनके कॉलेज में प्रदेश के सिर्फ दो छात्र हैं, जबकि चंडीगढ़ जैसे शहर से दर्जनों विद्यार्थी हैं।

सानिध्य नारायण

फिर से लॉन्च करेंगे यह अभियान

किताबों की गुमटी लगाएंगे

बढ़ी किताबों से दोस्ती

युवाओं में किताबें पढ़ने की आदत बढ़ाने के लिए शहर के बुक स्टोर संचालक और शहरवासी अपने-अपने तरीके से प्रयास कर रहे हैं। वर्ल्ड बुक डे के अवसर पर पढ़िए शहर में आम लोगों तक अध्ययन की प्रवृत्ति को विस्तार देते प्रयासों पर खास खबर-

वर्ल्ड बुक डे आज

फैक्ट फाइल

हर हफ्ते 25 से 50 नई किताबें बुक स्टोर पर पहुंच रही हैं।

हर दिन लगभग 50-150 पाठक बुक स्टोर पर पहुंचते हैं।

सबसे ज्यादा पढ़ी जा रही :

- मोटिवेशनल बुक्स
- सेल्फ डेवलपमेंट बुक्स
- फिक्शन नॉवेल
- मैनेजमेंट बुक्स

इस हफ्ते आने वाले ये खास टाइटल :

- द विनर स्टैंड्स अलोन : पाउलो कोएलो
- ए बेटर इंडिया ए बेटर वर्ल्ड : एनआर नारायणमूर्ति

भोपाल से हुई युवा पहल

सानिध्य नारायण

1923 से मन रहा वर्ल्ड बुक डे

हिंदी और इंटरनेट से मिला बढ़ावा

चेतन भगत के बाद से बढ़ी आदत

बांटते हैं किताबें

परदे के पीछे

पुस्तक को देखें फिल्म को पढ़ें..

p.sharma@mp.bhaskarnet.com

डिप्रेशन से बचाने में मददगार किताब

दै. भास्कर city

भोपाल . शुक्रवार. 23 सितंबर, 201

डिप्रेशन से छुटकारा

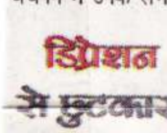

डॉ. प्रमोद शंकर सोनी

सिटी रिपोर्टर . यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के 16 वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन मेनियेक डिप्रेसिव डिसऑर्डर जैसी गंभीर मानसिक समस्या से ग्रस्त थे। बचपन में उनके सभी रिश्ते खत्म हो गए थे। अपनी प्रेयसी ऐन की मृत्यु ने उन्हें इस कदर तोड़ा था कि उनका नर्वस ब्रेकडाउन हो गया था। सबके बावजूद 51 साल की उम्र में वे अमेरिका के राष्ट्रपति बने। शहर के डॉ. प्रमोद शंकर सोनी की बेन्टेन पब्लिकेशन से प्रकाशित किताब 'डिप्रेशन से छुटकारा' में दुनिया भर की ऐसी कई शख्सियतों का जिक्र है, जो कभी न कभी डिप्रेशन के शिकार रहे। इनमें हेनरी फोर्ड, राइट ब्रदर्स, ओपरा विन्फ्रे, मर्लिन मुनरो, चार्ली चैपलिन। लेकिन ये डिप्रेशन से बाहर आए और सफल शख्सियतों के रूप में पहचाने गए। डॉ. सोनी कहते हैं, किताब को सिर्फ मरीज पर केंद्रित नहीं रखा गया है, बल्कि इसमें उनके परिवार और दोस्तों को भी शामिल किया गया है ताकि वे अ परिचितों की इस समस्या को सुलझाने में मदद करें न कि उनसे दूरी बना नई दवाइयों और इलाज के चरणों, भ्रांतियों एवं तथ्यों, दैनिक जीवन शैली आ रहे तनाव को डिप्रेशन में तब्दील होने से रोकने के आसान तरीके, डिप्रेश और आपका डॉक्टर, महिलाओं में डिप्रेशन के सामाजिक कारण दिए गए हैं

दै. भास्कर (सिटी) 23/9/2011

गैस पीड़ितों को कल समर्पित होगी 'आधी रात का सच'

दैनिक भास्कर के विजय मनोहर तिवारी की किताब

भास्कर नेटवर्क | भोपाल. भोपाल गैस हादसे पर प्रकाशित ताजा किताब 'आधी रात का सच' तीन दिसंबर को दोपहर 12 बजे यादगारे शाहजहांनी पार्क में गैस पीड़ितों को समर्पित की जाएगी। इसमें 25 साल बाद आए अदालत के फैसले के वक्त की देश-दुनिया की हलचल को दर्ज किया गया है। दैनिक भास्कर के पत्रकार विजय मनोहर तिवारी की तीन सौ पेज की किताब बेन्तेन बुक्स ने प्रकाशित की है। बेन्तेन बुक्स के प्रबंध निदेशक सान्निध्य नारायण अग्रवाल ने बताया कि किताब में सिलसिलेवार खबरों के जरिए हादसे की तह में जाने की कोशिश की गई है। इसमें यूनियन कार्बाइड के आसपास की बस्तियों में रह रहे भोपाल के कई असल पीड़ितों की दिल दहलाने वाली आपबीती के अलावा नेताओं और अफसरों की अंतहीन अनदेखियां भी शामिल हैं। हादसे के वक्त जिम्मेदार ओहदों पर रहे अफसरों से सीधी बात है और चुप्पी साधे रहे नेताओं की करतूत पर तीखी टिप्पणियां भी। यह किताब जून 2010 में आए फैसले के बाद दैनिक भास्कर के दो हफ्ते के देशव्यापी कवरेज पर केंद्रित दस्तावेज है।

दयाशंकर मिश्र की पुस्तक 'नौकरी पाने के नियम' का विमोचन

चित्र पुस्तक के विमोचन के मौके का।

नई दिल्ली । प्रगति मैदान में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में शनिवार को युवा लेखक दयाशंकर मिश्र द्वारा लिखित किताब 'नौकरी पाने के नियम' का विमोचन मंजुल प्रकाशन के प्रबंध निदेशक विकास रखेजा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह किताब प्रोफेशनल्स और युवाओं के लिए बेहद उपयोगी है, क्योंकि किताब में कैरियर के बेहतर प्रबंधन के साथ ही युवाओं के स्किल डेवलपमेंट और मानसिक प्रबंधन पर भी जोर दिया गया है।

इस अवसर पर मैनेजमेंट गुरु डॉ. विजय अग्रवाल

'पढ़ो तो ऐसे पढ़ो' सब्जेक्ट पर बढ़ाओ कमांड

मानस भवन में लगे पुस्तक मेले में स्टूडेंट्स के लिए कई एजुकेशनल बुक्स आई है।

BOOK FAIR

सिटी रिपोर्टर ▸ ग्वालियर

याद रखने का तरीका बताया

इस बुक में अच्छा मेमोरी कितने समय तक कोई भी चीज याद रख सकता है। बुक में वैज्ञानिक रॉबिन हॉल की रिसर्च का हवाला देते हुए बताया गया है कि जो हम याद करते हैं हमारा दिमाग उसे कैसे भूलता है।

रख दिए हैं पढ़ाई के टिप्स

- एक टॉपिक को बार बार पढ़ें।
- उसी टॉपिक को 24 घंटे बाद दोहराएं जैसे पहली बार पढ़ रहे हैं।

गैस कांड पर आई किताब : अर्जुन सिंह और राजीव गांधी पर साधा निशाना

विजय मनोहर तिवारी ने लिखी 'आधी रात का सच'

भोपाल, 2 दिसम्बर (प.स.): भोपाल गैस हादसे के 26 साल बाद बाजार में आई एक ताजा किताब में कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और अर्जुन सिंह पर निशाना साधा गया है। पत्रकार एवं लेखक विजय मनोहर तिवारी की किताब 'आधी रात का सच' में लिखा गया है कि जब भोपाल लाशों का ढेर बना था, अर्जुन सिंह लोकसभा चुनाव के लिए राजीव गांधी के साथ वोट मांग रहे थे। मध्य प्रदेश में जनता के सर्वोच्च प्रतिनिधि होने के बावजूद वे कानून पालन में नाकाम रहे और अपनी सियासी नैया को बचाने में लगे रहे। तिवारी ने गैस त्रासदी पर जून 2010 में आए भोपाल अदालत के फैसले

पत्रिका

[पहचान] युवा लेखक डॉ. प्रमोद शंकर सोनी ने लिखी डिप्रेशन पर किताब

भोपाल, गुरुवार 13 अक्टूबर, 2011

समझने होंगे डिप्रेशन के लक्षण

डॉ. प्रमोद शंकर सोनी

लेखक, होम्योपैथिक कंसल्टेंट

परिवार

पत्नि — मोहिनी सोनी (हाउसवाइफ)

एक बेटी

उपलब्धि

लगभग एक ही महीने में उनकी किताब 'डिप्रेशन से छुटकारा' को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

भोपाल . मैं अपने आस-पास बहुत से लोगों को देखता था कि वे डिप्रेशन में जी रहे हैं। मैंने इसे बहुत करीब से अनुभव किया है। ऐसे में मुझे लगता था कि डिप्रेशन के बारे में हिंदी जानने-समझने और इससे छुटकारा पाने के लिए कोई हिंदी में कोई अच्छी किताब नहीं है। जो कुछ किताबें हैं भी वे काफी भ्रामक हैं, जबकि इंग्लिश में काफी अच्छी किताबें थीं। इसलिए मैंने सोचा कि डिप्रेशन के बारे में हिंदी में कोई किताब लिखूं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। यह कहना है युवा लेखक डॉ. प्रमोद शंकर सोनी का। उन्होंने यह भी कहा कि 2020 तक हृदय रोग के बाद डिप्रेशन विश्व में सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरेगा। डिप्रेशन से छुटकारा दिलाने के लिए मैंने इस किताब में लोगों को मोटिवेट करने के लिए भी कुछ चीजें लिखी हैं, काफी कुछ दवाओं के बारे में भी लिखा है।

इस किताब को लिखने में दो साल का समय लगा। इस किताब को पढ़ने के बाद विदेशों से भी कुछ फोन मेरे पास आए हैं वहां भी लोगों को यह किताब काफी पसंद आ रही है। एक साल के अंदर ही इस किताब का इंग्लिश अनुवाद भी आ जाएगा इसके अलावा क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका अनुवाद आ जाएगा।

तथ्य

हमारे देश में सिटजमा धान लेते है कि उसे तो डिप्रेशन है या वो पागल है आदि लेकिन ऐसा गलत है। डिप्रेशन में कोई भी कभी भी आ सकता है। सही दवाओं और परामर्श आदि से डिप्रेशन से पूरी तरह से छुटकारा पाया जा सकता है।

ALL THESE TITLES ARE AVAILABLE WITH OUR MAIN DISTRIBUTORS:-

1. Manjul Publishing House Pvt. Ltd.

C–16, SECTOR 3

NOIDA – 201301 (U.P.)

Ph– 0120–4557655,4557775

2. Maa Kali International

4574/15, LG–5 Onkareswar, Padam Chand Marg,

Ansari Road, Daryaganj, New Delhi 110002

Ph. No. : 09560930119

BENTEN

Benten Books Publishing House

Address- MIG A-121, 1st Floor, P and T road, Near Sharda Vidya Mandir Foundation School, Kotra Sultanabad, Bhopal (MP) 462003

Ph.: 0755-4245626

E-mail: bentenbooks@gmail.com

Website: www.bentenbooks.com